छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351
डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 07 ■ अंक - 41 ■ बैकुंठपुर, मंगलवार 03 नवम्बर 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

शासकीय कर्मचारियों को मिलेगी कैशलेस इलाज की सुविधा : स्वास्थ्य मंत्री

शासकीय कर्मचारियों को अब अस्पताल में नहीं करना होगा भुगतान

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री व मनेंद्रगढ़ विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में सरकारी कर्मचारियों और उनके आश्रित परिवारों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने की तैयारी छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा की जा रही है । शासकीय कर्मचारियों को ई-हेल्थ कार्ड के जरिए उपचार मिलेगा इसके लिए प्रदेश के 134 और राज्य के बाहर के 64 निजी अस्पतालों को मान्यता मिली है । इस योजना पर सालाना 220 से 230 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। स्वास्थ्य मंत्री



व मनेंद्रगढ़ विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों और उनके आश्रित परिवारों को बेहतर एवं सरल स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। अब सरकारी कर्मचारियों को इलाज के लिए अस्पताल में पहले अपनी जेब से पैसे खर्च करने और बाद में चिकित्सा प्रतिपूर्ति (मेडिकल रीइंबर्समेंट) के लिए लंबी प्रक्रिया से गुजरने की परेशानी से राहत मिल सकती है। राज्य सरकार शासकीय कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने की तैयारी कर रही है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत पात्र कर्मचारी और उनके परिवार के आश्रित सदस्य मान्यता प्राप्त सरकारी एवं निजी अस्पतालों में बिना अग्रिम भुगतान के उपचार करा सकेंगे। 29 जुलाई 2026 को तैयार किए गए कैशलेस उपचार सुविधा संबंधी प्रस्ताव में मौजूदा चिकित्सा प्रतिपूर्ति व्यवस्था को अधिक सरल, पारदर्शी और डिजिटल बनाने का खाका प्रस्तुत किया गया है। यह सुविधा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (चिकित्सा परिचर्या) नियम, 2013 के प्रावधानों के आधार पर विकसित की जानी प्रस्तावित है।

ई-हेल्थ कार्ड से मिलेगी कैशलेस उपचार की सुविधा

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि प्रस्तावित योजना में पात्र कर्मचारियों और उनके आश्रित परिवार के सदस्यों का ई-हेल्थ कार्ड बनाया जाएगा। इसके लिए शासकीय सेवक का कर्मचारी पहचान क्रमांक (श्वद्बश्चद्यश्र4द्वद्व द्बष्ठ) और परिवार के आश्रित सदस्यों के आधार कार्ड के आधार पर पात्रता का परीक्षण एवं सत्यापन किया जाएगा। संबंधित विभागाध्यक्ष कार्यालयों को ई-हेल्थ कार्ड के लिए पात्रता निर्धारित करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। लाभार्थियों की पहचान और पंजीयन के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एनआईसी के सहयोग से बेनिफिशियरी आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (BIS) विकसित किया जाएगा। इसके माध्यम से पात्र कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा।

प्रदेश के 134 और बाहर के 64 निजी अस्पताल मान्यता प्राप्त

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि प्रस्ताव में छत्तीसगढ़ में कैशलेस उपचार के लिए मान्यता प्राप्त निजी अस्पतालों का भी उल्लेख किया गया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा 8 मई 2025 को जारी आदेश के अनुसार राज्य के भीतर कुल 134 और राज्य के बाहर 64 निजी चिकित्सालयों को मान्यता प्राप्त होने की जानकारी दी गई है। योजना के तहत नए अस्पतालों को भी उनकी पात्रता एवं आवश्यकताओं के अनुसार पंजीकृत किया जा सकेगा। इसके अलावा सरकारी अस्पतालों में भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है।

अस्पताल में नहीं करना होगा अग्रिम भुगतान

कैशलेस व्यवस्था लागू होने के बाद पात्र कर्मचारी मान्यता प्राप्त एवं पंजीकृत अस्पताल में ई-हेल्थ कार्ड के माध्यम से उपचार प्राप्त कर सकेंगे। अस्पताल में लाभार्थी का बायोमेट्रिक अथवा निर्धारित डिजिटल माध्यम से प्रमाणीकरण किया जाएगा। इसके बाद अस्पताल द्वारा संबंधित उपचार पैकेज के लिए प्री-अथॉराइजेशन की प्रक्रिया पूरी कर इलाज शुरू किया जा सकेगा। उपचार पूरा होने के बाद अस्पताल उपचार से संबंधित दस्तावेज और क्लेम ट्रांजेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम (ञ्जरू) के माध्यम से प्रस्तुत करेगा। इन दस्तावेजों का टीपीए, चिकित्सा विशेषज्ञों अथवा निर्धारित परीक्षण व्यवस्था के माध्यम से परीक्षण किया जाएगा। स्वीकृति के बाद अस्पताल को भुगतान किया जाएगा। इससे कर्मचारियों को इलाज के दौरान अपनी जेब से बड़ी रकम खर्च करने की आवश्यकता नहीं होगी।

सीजीएचएस दरों के आधार पर होगा उपचार का भुगतान

योजना के तहत उपचार की दरें छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (चिकित्सा परिचर्या) नियम, 2013 के नियम-8 के अनुसार केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना (ष्टत्र॥स्) की निर्धारित एवं समय-समय पर अद्यतन पैकेज दरों के आधार पर तय की जाएंगी। दिल्ली स्थित सीजीएचएस की संबंधित श्रेणी के शहरों के लिए निर्धारित दरों को आधार बनाया जाएगा। यदि किसी विशेष उपचार की दर निर्धारित नहीं है तो उसके लिए राज्य शासन द्वारा नियमानुसार दर निर्धारित की जा सकेगी।

चिकित्सा प्रतिपूर्ति पर हर साल 220 से 230 करोड़ का भार

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि प्रस्ताव में चिकित्सा प्रतिपूर्ति के पिछले वर्षों के खर्च का भी उल्लेख किया गया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021-22 में 118.45 करोड़ रुपये, वर्ष 2022-23 में 177.06 करोड़ रुपये, वर्ष 2023-24 में 176.05 करोड़ रुपये तथा वर्ष 2024-25 में 225 करोड़ रुपये चिकित्सा प्रतिपूर्ति पर व्यय किए गए। वहीं वर्ष 2025-26 के लिए 221 करोड़ रुपये का व्यय संभावित बताया गया है। प्रस्ताव के अनुसार पिछले वर्षों के खर्च को देखते हुए चिकित्सा प्रतिपूर्ति मद में राज्य शासन पर प्रतिवर्ष लगभग 220 से 230 करोड़ रुपये का वित्तीय भार अनुमानित है। इसके अतिरिक्त क्लेम प्रोसेसिंग, आईटी प्लेटफॉर्म और प्रशासनिक व्यवस्था के संचालन के लिए लगभग 10 करोड़ रुपये की अलग से आवश्यकता बताई गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में कैशलेस चिकित्सा सुविधा के लिए राज्य शासन द्वारा 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किए जाने का उल्लेख भी प्रस्ताव में किया गया है।

दीपावली से पहले खाद्य एवं औषधि प्रशासन की सक्रियता

चिरमिरी में मिठाई दुकानों और होटलों का सघन निरीक्षण, मिठाई और खोवा के लिए गए नमूने

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। दीपावली त्यौहार के मद्देनजर आम नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया जा रहा है। नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन दीपक अग्रवाल के निर्देशानुसार प्रदेशभर में विशेष सघन प्रवर्तन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में कलेक्टर संतन देवी जांगड़े के मार्गदर्शन में विभागीय टीम द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में



30 एवं 31 अक्टूबर 2026 को चिरमिरी क्षेत्र की विभिन्न मिठाई दुकानों एवं खोवा विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी रविकांत गुप्ता एवं उनकी टीम ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच करते हुए विभिन्न प्रतिष्ठानों से मिठाई एवं खोवा के नमूने संकलित किए। निरीक्षण के दौरान बीकानेर स्वीट्स से बेसन लड्डू एवं सोनपापड़ी, केरला होटल से चमचम, बिज्जू होटल से खोवा, राहुल मिष्ठान भंडार से खोवा एवं रसगुल्ला तथा पटेल स्वीट्स से मगज लड्डू के नमूने संकलित किए गए। सभी नमूनों को परीक्षण के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अनुसार प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी। दीपावली पर्व के दौरान खाद्य पदार्थों की शुद्धता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विभाग द्वारा मिठाई दुकानों, होटलों एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण लगातार जारी रहेगा।

वाह रे खनिज अधिकारी तेरा खेल कर दिया हसदो नदी के अस्तित्व पर खेल

छ.ग.फ्रंटलाइन

सोनहत। विकास खंड सोनहत के जीवन दायिनी नदी हसदो की सीना छलनी कर दिये रेत तस्कर खनिज अधिकारी से सांठगांठ कर अपनी जेब गर्म कर रहे हैं वहीं पर खनिज अधिकारी भी मालामाल हो गये खनिज अधिकारी गाड़ी मालिकों से सीधे संपर्क में रहते हैं चाहे मिनी हाईवा हो टैक्टर हो सभी से सांठगांठ करके दुनिया के आंखों में धूल झोंक रहे हैं आखिरकार खनिज अधिकारी किसके संरक्षण में काम कर रहे हैं।

कभी कभार खनिज अधिकारी जांच करते भी हैं तो सिर्फ पटना एवं चिरमी में कभी भी ये घाट ऊपर सोनहत क्षेत्र में जांच नहीं करते हैं जबकि इनके आफीस से ही सटकर हाईवे रोड पर बकायदा रेत भरकर तस्कर फराटे से रोड में निकल रहे हैं लेकिन खनिज अधिकारी शायद इनको देखकर अपनी आंखें मूंद लेते हैं स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि खनिज अधिकारी आज है कल चले जायेंगे हमारी हसदो नदी की अस्तित्व को



खतरे में डालकर जायेंगे पर्यावरण और समाज पर विपरीत असर पड़ रहा है कम लागत में भारी मुनाफा तस्करों को हो रही है इससे विनाशकारी प्रभाव पड़ रहा है जैसे जलस्तर में गिरावट नदी की रेत पानी को सोखकर रखती है और भुजल को बढ़ातीहै नदी में रेत खत्म होने से कुओं एवं बोरबेल की पानी का जल स्तर तेजी से गिर रही है बाढ़ और खटाव का खतरा जलीय जीवों को भारी नुक़सान अपराध और सामाजिक असुरक्षा रेत तस्कर के सक्रिय होने से स्थानीय क्षेत्रों में गुण्डा गर्दी और कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती है लंबे समय से नियम कायदा को ताक पर रखकर रेत माफिया हसदो नदी से रेत निकाल रहे हैं।

महादेव सट्टा ऐप का मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर गिरफ्तार, गिरफ्तार कर ओमान से भारत लाया गया

छ.ग.फ्रंटलाइन

रायपुर। महादेव सट्टा ऐप मामले में लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को ओमान से गिरफ्तार कर भारत लाया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस कार्रवाई को बड़ी सफलता बताते हुए सीबीआई और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियों की सराहना की है। सोमवार सुबह रायपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो लगातार प्रयास कर रही थी। अब मुख्य आरोपी के पकड़े जाने से मामले में कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है। उन्होंने इस सफलता के लिए सीबीआई और सभी केंद्रीय जांच एजेंसियों को बधाई दी।

इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर हुई गिरफ्तारी

सीबीआई की ओर से 1 नवंबर 2026 को जारी जानकारी के



मुताबिक, सौरभ चंद्राकर के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। इसी के आधार पर रॉयल ओमान पुलिस ने उसे ओमान में तलाश कर हिरासत में लिया। इसके बाद सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने उसके खिलाफ जुटाए गए साक्ष्यों के साथ ओमान सरकार को प्रत्यर्पण का औपचारिक प्रस्ताव भेजा। भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों, इंटरपोल और ओमान के अधिकारियों के बीच समन्वय के बाद प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पूरी की गई। अनुमति मिलने के बाद सीबीआई की विशेष टीम मस्कट पहुंची और सौरभ चंद्राकर को भारत लेकर आई।

रायपुर की विशेष अदालत में होगी पेशी

सीबीआई के अनुसार, भारत पहुंचने के बाद सौरभ चंद्राकर की मेडिकल जांच कराई गई है। इसके बाद ट्रांजिट रिमांड लेकर उसे रायपुर लाया जाएगा। उसे रायपुर स्थित विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया जाएगा। गौरतलब है कि महादेव सट्टा ऐप मामले में राज्य सरकार की ओर से दर्ज 13 एफआईआर जांच के लिए सीबीआई को सौंपी गई थीं। वहीं, ईडी भी इस मामले में सौरभ चंद्राकर के खिलाफ अभियोजन शिकायत दाखिल कर चुकी है।

हाईकोर्ट से 42 कर्मचारियों को झटका: वाणिज्यिक कर निरीक्षक से फिर बनेंगे लिपिक, पदोन्नति रद्द

छ.ग.फ्रंटलाइन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य कर विभाग में पदोन्नति के बड़े घोटाले पर मुहर लगा दी है। जस्टिस बीडी गुरु की एकल पीठ ने 42 वाणिज्यिक कर निरीक्षकों की पदोन्नति रद्द करने के विभागीय आदेश को सही ठहराते हुए कर्मचारियों की याचिका खारिज कर दी। अब इन सभी को वापस लिपिक के मूल पद पर लौटना पड़ेगा।

2021-22 की विभागीय परीक्षा में हुई थी गड़बड़ी

राज्य कर विभाग ने 2021 और 2022 में सीमित विभागीय परीक्षा आयोजित कर लिपिकों को वाणिज्यिक कर निरीक्षक के पद पर प्रमोट किया था। हर साल 21-21 कुल 42 कर्मचारी प्रमोट हुए थे। बाद में परीक्षा में धांधली की शिकायत मिलने पर राज्य कर आयुक्त पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने जांच समिति बनाई। जांच में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिसके बाद विभाग ने सभी 42 की पदोन्नति निरस्त कर दी थी। इसी आदेश को कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

जांच रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे



चयन प्रक्रिया में खेल - बिना सार्वजनिक मेरिट लिस्ट जारी किए चयन सूची बनाई गई, आरक्षण नियमों की अनदेखी और अपात्र लोगों को भी चयनित किया गया। उत्तर पुस्तिकाओं में हूबहू नकल - कई अभ्यर्थियों के उत्तर मॉडल आंसर से शब्दशः मिलते-जुलते पाए गए। डॉ. खूबचंद बघेल की जीवनी पर लिखे निबंध के उत्तर तो कई कॉपियों में एक जैसे थे। गोपनीयता भंग - चयन समिति के सदस्यों ने तत्कालीन आयुक्त समीर विश्नोई पर आरोप लगाया कि प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिकाएं बिना सील किए ही परीक्षा हॉल में ले जाई गईं। आरटीआई में भी गड़बड़ी - सूचना के अधिकार के तहत उत्तर पुस्तिकाएं मांगने वालों को जानकारी देने में भी नियमों का पालन नहीं किया गया। हाईकोर्ट के फैसले के बाद अब विभाग इन 42 कर्मचारियों को वापस लिपिक पद पर भेजने की कार्रवाई करेगा। इस फैसले से 2021 और 2022 की पूरी विभागीय भर्ती प्रक्रिया एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है।

वक्फ की जमीन पर कब्जा करने वालों पर शिकंजा, 23 जनवरी के बाद खाली कराई जाएगी जमीन

छ.ग.फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर अवैध कब्जे और फर्जी रजिस्ट्रियों को लेकर बड़ी कार्रवाई की तैयारी है। वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने ऐलान किया है कि 23 जनवरी के बाद वक्फ संपत्तियों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की जाएगी। डॉ. सलीम राज के अनुसार प्रदेशभर में अब तक 418 लोगों को वक्फ बोर्ड की ओर से नोटिस जारी किए जा चुके हैं। ये मामले वक्फ संपत्तियों की फर्जी रजिस्ट्री से जुड़े हैं। इस



संबंध में संबंधित रजिस्ट्रारों को भी निर्देश दे दिए गए हैं।

अतिक्रमणकारियों को अंतिम नोटिस

बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि कब्जा करने वालों को अंतिम नोटिस देकर कब्जा खाली करने को कहा जाएगा। उन्होंने बताया कि रायपुर के सदर बाजार, तात्यापारा सहित कई जगहों पर वक्फ संपत्तियां खाली कराई जा चुकी हैं। भाटगांव के पास भी एक संपत्ति खाली कराई गई है और एक अन्य पर कार्रवाई जारी है। डॉ. राज ने कहा कि खाली कराई गई जमीनों का उपयोग जनहित में किया जाएगा। धमतरी में वक्फ की जमीन पर अस्पताल का काम चल रहा है, वहीं रायपुर के सिविल लाइन में लड़कियों के लिए 50 बिस्तरों वाला अस्पताल बनाया जा रहा है।

23 जनवरी तक नियमितीकरण का मौका

बोर्ड ने 23 जनवरी तक लोगों को नियमानुसार समाधान और नियमितीकरण का अवसर दिया है। इसके बाद जो लोग प्रक्रिया के तहत समाधान के लिए तैयार नहीं होंगे, उनकी संपत्तियां खाली कराई जाएंगी और फर्जी रजिस्ट्रियों को शून्य कराने की प्रक्रिया तेज की जाएगी।

स्कार्पियो सवार युवकों ने शराब के नशे में मचाया कहर

03 बाइकों को कुचला, 07 किमी दूर जाकर पलटी वाहन, 01 की मौत, 01 घायल

उदयपुर। थाना क्षेत्र में रविवार शाम शराब के नशे में धुत तीन युवकों ने तेज रफ्तार स्कॉर्पियो से जमकर कहर बरपाया। अंबिकापुर की ओर से आ रही स्कॉर्पियो सवारों ने भीड़भाड़ वाले इलाके में खड़ी 3



मोटरसाइकिलों को कुचल दिया और फरार हो गए। करीब 7 किलोमीटर दूर जाकर वाहन पलट गई। हादसे में ग्राम केदमा निवासी एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम परोगिया निवासी घरभरन यादव अपनी बहन को लेने ग्राम बिनिया निवासी नन्दलाल यादव के यहां गया था। साथ में गांव के राजमंत्री नामक व्यक्ति की स्कॉर्पियो वाहन क्रमांक सीजी 15 डीई 3846 को बुकिंग पर ले गया था। स्कार्पियो वाहन में सवार तीनों युवक राहुल, घरभरन और सनी शराब के नशे में थे, इस कारण ससुराल पक्ष ने बिदाई करने से मना कर दिया। इसके बाद तीनों ने अपने जीजा से विवाद कर लिया। मामला कुन्नी चौकी तक पहुंचा। शाम करीब 7 बजे पुलिस ने समझाइश देकर उन्हें छोड़ दिया।

चौकी से छूटने के बाद फिर पी शराब

पुलिस चौकी से छूटने के बाद तीनों युवक लखनपुर गए और वहां फिर अंग्रेजी शराब का सेवन किए। इसके बाद मुख्यमार्ग से उदयपुर की ओर करीब 100 की रफ्तार से स्कॉर्पियो दौड़ाते हुए 2-3 स्कूटर और मोटरसाइकिलों को ठोकर मारते हुए चले गए। गनीमत रही कि कई राहगीर बाल-बाल बच गए। घटना के बाद मौके पर पुलिस और लोगों की भीड़ जुट गई और आवागमन ठप हो गया। लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला।

भागते समय स्कार्पियो वाहन पलटी

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो रामगढ़-लक्ष्मणगढ़ मार्ग पर सानीबर्रा के झेरा के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में सवार ग्राम केदमा निवासी राहुल यादव और सनी यादव का हाथ-पैर टूट गया। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उदयपुर अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर रेफर किया गया। यहां इलाज के दौरान राहुल यादव की मौत हो गई। मौत की खबर से गांव में मातम पसर गया है। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।



सशक्त नारी, युवा उड़ान की थीम पर सजा राज्योत्सव, मंच से स्टॉल तक दिखी बदलते बलरामपुर की तस्वीर

★26 वर्षों की विकास यात्रा का उत्सव : बलरामपुर राज्योत्सव में योजनाओं की प्रदर्शनी और लोकनृत्यों की धूम

★ हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ, स्टॉलों में दिखी योजनाओं की झलक, मंच पर बिखरे लोकसंस्कृति के रंग

★ सुवा से शिव तांडव तक, लोक मंथन से अक्षत कलेक्टिव तक- राज्योत्सव की सांस्कृतिक संध्या में झूम उठा बलरामपुर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर हाई स्कूल मैदान, बलरामपुर में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव में एक ओर मंच पर लोकरंगों की छटा बिखरी, तो दूसरी ओर विभागीय स्टॉलों में शासन की योजनाओं से बदलते जिले की तस्वीर साकार दिखी। सशक्त नारी, युवा उड़ान थीम पर आधारित इस आयोजन में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने छत्तीसगढ़ी में जय जोहार कहते हुए उपस्थित जनसमूह से सीधा संवाद किया। उन्होंने कहा कि हमारा प्रिय छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना के 26 गौरवशाली वर्ष पूरे कर चुका है और इस वर्ष का उत्सव सशक्त नारी, युवा उड़ान थीम पर आधारित है। बेटियों के विद्यालय का यह मैदान स्वयं इस थीम का सबसे सुंदर प्रतीक है, क्योंकि यहाँ से पढ़कर निकलने वाली बेटियाँ ही कल के छत्तीसगढ़ की दिशा तय करेंगी। उन्होंने कहा कि कभी खनिज प्रदेश कहलाने वाला छत्तीसगढ़ आज औद्योगिक राज्य बन रहा है और अंबिकापुर के माँ महामाया हवाई अड्डे से सरगुजा के लोग दिल्ली, कोलकाता, रायपुर और बिलासपुर तक उड़ान भर रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना में अनेक घर बहनों के नाम पर बने हैं, उज्ज्वला ने रसोई से धुआँ दूर किया है और महतारी वंदन योजना से बहनों के हाथ में सीधी आर्थिक सहायता पहुँच रही है। धरती आबा अभियान और पीएम-जनमन से आदिवासी बस्तियों तक सड़क, आवास, पानी और बिजली पहुँच रही है। बेटियों से बड़े सपने देखने और युवाओं से नौकरी देने वाला बनने का आह्वान करते हुए उन्होंने नागरिकों से अपील की कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे, यह सबकी साझा जिम्मेदारी है।

सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा ने भी जिलेवासियों को राज्योत्सव की शुभकामनाएँ दीं।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने स्वागत उद्बोधन में राज्योत्सव की थीम को पेड़ के उदाहरण से समझाते हुए कहा कि जिले की जड़ों को मजबूत कर रही हैं हमारी दीदियाँ। जिले में 10 हजार से अधिक स्व-सहायता समूहों से लगभग 1 लाख 15 हजार परिवार जुड़े हैं और छोटी बचत से शुरू हुआ उनका सफर लखपति दीदी तक पहुँच रहा है। बालभोग के तहत रागी व मिलेट्स से बना पौष्टिक लड्डू आकांक्षी विकासखंड शंकरगढ़ के 967 बच्चों को प्रतिदिन दिया जा रहा है। उन्होंने चांगरो के जैविक जीराफूल चावल की ब्रांडिंग तथा जल संरक्षण के लिए किसानों द्वारा स्वेच्छा से अपनी भूमि का 5 प्रतिशत हिस्सा देने वाले 5 प्रतिशत मॉडल का उल्लेख करते हुए इसे विनोबा भावे के भूदान आंदोलन की परंपरा का विस्तार बताया। कलेक्टर ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहीमूलक सामग्री प्रदान किया गया। समाज कल्याण विभाग की ओर से पूजा मण्डल, आर्यन रवि और अनिकेत तिर्की को व्हील चेयर, प्रमोद कोड़ाकू को दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन के तहत 50 हजार रुपये तथा महेन्द्र कांसी को दिव्यांगजन उच्च शिक्षा प्रोत्साहन के तहत 6 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया। वन विभाग ने हाथी से जनहानि के प्रकरण में 6 लाख रुपये और मकान क्षति के प्रकरण में 25 हजार रुपये का क्षतिपूर्ति चेक सौंपा। स्वामित्व योजना के तहत ग्राम भनौरा के हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख वितरित किए गए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में जिले के विद्यालयों और छात्रावासों के विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी स्वागत नृत्य, सुवा नृत्य, छत्तीसगढ़ी रिमिक्स, शिव तांडव, कान्हा नृत्य, सूफी नृत्य तथा घूमर, हरियाणवी, अरुणाचली और नेपाली लोकनृत्यों सहित अन्य प्रस्तुतियाँ दीं। भेलवाडीह के पहाड़ी कोरवा कलाकारों का उड़िया लोकनृत्य और नारी सशक्तिकरण पर आधारित प्रस्तुति ने दर्शकों की खूब तालियाँ बटोरीं।



बायोमेट्रिक हाजिरी नहीं करने पर नहीं मिलेगा वेतन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की रेहर भूमिगत खदान में कर्मचारियों और पर्यवेक्षकों की हाजिरी को लेकर सख्ती बढ़ गई है। खान प्रबंधन ने साफ चेतावनी दी है कि बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम में इन-आउट नहीं करने पर वेतन नहीं मिलेगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित कर्मचारी या अधिकारी की होगी। 2 नवंबर को जारी आदेश में खान प्रबंधक ने निर्देश दिए हैं कि रेहर भूमिगत खदान में कार्यरत सभी पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी बायोमेट्रिक मशीन पर नियमित रूप से उपस्थिति दर्ज नहीं कर रहे हैं। कई मामलों में देखा जा रहा है कि कर्मचारी खदान में काम तो कर रहे हैं, लेकिन सिस्टम में उनकी हाजिरी नहीं दिख रही है। प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी अधिकारी, पर्यवेक्षक या कर्मचारी की उपस्थिति बायोमेट्रिक सिस्टम में दर्ज नहीं पाई जाती है और उसी दिन का वेतन नहीं मिलता, तो इसकी जिम्मेदारी स्वयं उस व्यक्ति की होगी।

निर्देश दिया गया है कि ऐसी स्थिति में वे संबंधित नोडल अधिकारी या सहायक प्रबंधक मानव संसाधन को तुरंत सूचित करें। खान प्रबंधक ने सभी अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों से आह्वान किया है कि वे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से बायोमेट्रिक मशीन पर इन और आउट दोनों दर्ज करें। यह अनुपालन अब अनिवार्य है और कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लोनर हाथी के आतंक से दहशत, दो लोगों की ले ली जान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सरगुजा व सूरजपुर जिले की सीमा पर जंगलों में लंबे समय से विचरण कर रहा लोनर हाथी के आतंक से प्रभावित गांव के लोग दहशत में हैं। अलग-अलग घटना में इस हाथी ने दो लोगों की जान ले ली। पहली घटना में अखोराखुर्द निवासी 53 वर्षीय मानदेव यादव पिता हनुमान खेत में घास काटने गया था। इसी दौरान वहां विचरण करते हुए हाथी पहुंच गया। वह भाग पाता इससे पहले हाथी ने उसे कुचलकर मार डाला। वहीं दूसरी घटना में बलरामपुर जिले के घटगांव निवासी 45 वर्षीय विश्वनाथ पिता राजनाथ पहाड़ी कोरवा अपने भतीजे बलदेव के साथ बाइक से बहन के घर अखोरा आया था। यहां से लौटते वक्त शाम 5.30 बजे अखोरा-कल्याणपुर मुख्य मार्ग पर मौजूद हाथी ने दोनों पर हमला कर दिया। इस दौरान बलदेव वहां से भागा और सडक़ किनारे खड़े एक ट्रक के नीचे छिपकर अपनी जान बचाई। वहीं हाथी ने विश्वनाथ को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दोनों शराब के नशे में धुत थे। मृतक विश्वनाथ बांटीडांड़ पहाड़ी कोरवा आश्रम में भृत्य के पद पर काम करता था। वन विभाग ने दोनों मृतकों के परिजन को तात्कालिक सहायता राशि दे दी है। इससे पूर्व यह हाथी 6 महीने में 12 लोगों की जान ले चुका है।



नपं शिवनंदनपुर में 67 लाख रुपए से बनने वाले एसआरएलएम सेंटर का भूमि पूजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर पंचायत शिवनंदनपुर में 67 लाख रुपए की लागत से बनने वाले एसआरएलएम सेंटर का भूमि पूजन कैबिनेट मंत्री व मुख्य अतिथि श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की उपस्थिति में विधिवत पूजा अर्चना कर संपन्न किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष रितेश जायसवाल ने की। इस अवसर पर नगर पंचायत उपाध्यक्ष अंशुल गोयल एवं पार्षद मनी बग्गा, श्यामू साहू, वर्षा जायसवाल, हर्ष दनोदिया, मंजू गोयल, अहमद वाहिद, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष अजय गोयल, ललित गोयल, मंडल अध्यक्ष हरीश राजवाड़े, देवधन राम बिंझिया सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि जल आवर्धन योजना के लिए 5 करोड़ 60 लाख रुपए का बजट प्रावधान, नाली एवं सीसी रोड निर्माण के लिए 2 करोड़ 33 लाख रुपए की स्वीकृति, स्टेडियम एवं पार्क निर्माण की स्वीकृति की प्रक्रिया भी पूर्ण हो चुकी है, जिसका जल्द ही कार्य शुभारंभ करा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का डबल इंजन की सरकार द्वारा निराकरण कराकर बेहतर मूलभूत सुविधा प्रदान कराना ही हमारी जिम्मेदारी है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष रितेश जायसवाल ने नगर के समग्र विकास की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के समक्ष नगर में एक सुव्यवस्थित एवं आधुनिक स्टेडियम तथा एक सुंदर पार्क निर्माण का मांग रखा, जिसे भी कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा जल्द ही पूरा कराने हेतु पहल की किए जाने आश्वस्त किया।



ट्रैक्टर से गिरकर चोटिल हुई महिला की मौत

उदयपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। सरगुजा जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चकेरी में ट्रैक्टर से गिरने से एक 30 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना 1 नवंबर रविवार की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार ग्राम चकेरी निवासी फेंकू मझवार और उसकी पत्नी हीरामणि मझवार दोनों खुद की ट्रैक्टर से खेत की जुताई करने जंगल साइड गए हुए थे। पुलिस के अनुसार जंगल साइड के खेत की जुताई के बाद दोनों ने जलावन के लिए लकड़ी फाड़ी और ट्रैक्टर के नागर में एक बंडल लकड़ी लोड करके घर लौट रहे थे। रास्ते में अचानक हीरामणि मझवार ट्रैक्टर से नीचे गिर गई। सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही उदयपुर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया गया और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

राशन दुकानदार अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

सीएम और खाद्य मंत्री को पूर्व सूचना देने के बाद सौंपा ज्ञापन

अंबिकापुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ के शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालकों ने एक नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। शासकीय राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ छत्तीसगढ़ ने इस संबंध में मुख्यमंत्री और खाद्य मंत्री को पत्र लिखकर पूर्व सूचना दी है, और पत्र की कॉपी कलेक्टर को भी सौंपा है।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष देवर्ष भाई सापरिया और प्रदेश महासचिव विजय कुमार धृतलहरे द्वारा 31 अक्टूबर को जारी किए गए पत्र में कहा गया है कि प्रदेश के उचित मूल्य दुकान संचालक लंबे समय से कमीशन वृद्धि, क्षतिपूर्ति और लंबित वित्तीय पोषण राशि के भुगतान की मांग कर रहे हैं। शासन स्तर पर अब तक केवल आश्वासन मिलने से दुकानदारों की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है। संघ ने कहा है कि, पिछले 21 वर्षों से कमीशन में वृद्धि नहीं हुई है। सीजीएफएसए मद के चावल, शक्कर, चना, रिफाइंड और अमृत नमक वितरण पर केंद्र सरकार के समान कमीशन प्रदान किया जाए। इसके अलावा भंडारण एवं वितरण के दौरान होने वाली राशन के कमी की भरपाई हेतु 2 प्रतिशत क्षतिपूर्ति प्रदान करने, जुलाई 2016 से संचालित वित्तीय सहायता व्यवस्था अंतर्गत वर्ष 2023 के बाद से लंबित भुगतान तत्काल जारी करने, कमीशन में 2 प्रतिशत पीडीएस कटौती को बंद करके बस्तर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में उचित मूल्य दुकान संचालकों की लंबित स्थानीय समस्याओं का त्वरित निराकरण करने की मांग की गई है। संघ ने पत्र में स्पष्ट किया है कि यदि उपरोक्त मांगों का शीघ्र निराकरण नहीं होता है तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। संघ ने जनहित और लाखों राशनकार्डधारियों को होने वाली असुविधा को ध्यान में रखते हुए मांगों पर तत्काल सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया है।



ठेका श्रमिकों की 15 सूत्रीय मांगों को लेकर एटक का 17 से क्रमिक भूख हड़ताल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। संयुक्त कोयला मजदूर संघ एटक एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र ने ठेका श्रमिकों की 15 सूत्रीय लंबित मांगों के निराकरण के लिए महाप्रबंधक एसईसीएल विश्रामपुर के नाम ज्ञापन सौंपकर चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी है। संघ के क्षेत्रीय सचिव पंकज कुमार गर्ग एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष हीरा लाल ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि विश्रामपुर क्षेत्र की विभिन्न खदानों में कार्यरत सैकड़ों ठेका श्रमिकों द्वारा गत दिनों 5 अक्टूबर को मानी पोड़ी ग्राउंड से रैली निकालकर महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया था। बावजूद इसके प्रबंधन द्वारा जायज और वैधानिक मांगों पर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई गई है।

ठेका श्रमिकों कि प्रमुख 15 सूत्रीय मांग क्रमश: सभी खदानों में कार्य समिति का अनिवार्य गठन, सभी ठेका श्रमिकों को नियुक्ति पत्र और पहचान पत्र प्रदान करना, कोयला ट्रांसपोर्ट, साइडिंग, सोलर प्लांट एवं खान परिसर के सभी कामगारों को एचपीसी वेज का भुगतान, बायोमेट्रिक व उपस्थिति रजिस्टर में हाजिरी दर्ज करना एवं प्रति माह 26 दिन का कार्य सुनिश्चित करना, हर महीने की 7 तारीख तक वेतन भुगतान और अनिवार्य वेतन पर्ची देने, कॉरपोरेट बैंक खातों से वेतन भुगतान ताकि श्रमिकों को कॉरपोरेट बीमा का लाभ मिल सके, बोनस/ पीएलआई का पूर्ण भुगतान गायत्री एवं केतकी खदान के वर्ष 2024-25 का बकाया बोनस तुरंत दिया जाए, खदानों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कर दुर्घटनाओं को छिपाने की प्रथा पर तत्काल रोक लगाने, गायत्री एवं केतकी खदान के आसपास रोजगार के नाम पर अवैध धन उगाही की उच्चस्तरीय जांच कराकर भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना। एवं पूर्व में वेतन से काटी गई सीएमपीएफ राशि की तत्काल वापसी व समायोजन की मांग की गई। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि प्रबंधन द्वारा मांगों पर त्वरित व ठोस सकारात्मक कार्रवाई नहीं की जाती है, तो संगठन ठेका श्रमिकों के अधिकारों के लिए बाध्य होकर चरणबद्ध आंदोलन करेगा, जिसके तहत 17 नवंबर से 24 नवंबर तक 7 दिवसीय क्रमिक भूख हड़ताल, 25 नवंबर से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन किया जाएगा।

यूनियन पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि आंदोलन के दौरान कोई अप्रिय स्थिति बनती है, तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी क्षेत्रीय प्रबंधन की होगी।

केनापारा में छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम आज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की प्रसिद्ध गायिका आरु साहू का सांस्कृतिक कार्यक्रम आज 3 नवंबर को ग्राम पंचायत तेलईकछार केनापारा के आदिशक्ति मां समलेश्वरी महामाया मंदिर प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच अहिल्या देवी करेंगी। आयोजन समिति द्वारा कार्यक्रम में अधिकाधिक लोगों से उपस्थित होने आह्वान किया है।

ज्ञात हो कि आरु साहू छत्तीसगढ़ की उन युवा प्रतिभाओं में से हैं जिन्होंने कम उम्र में ही लोक संगीत की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना ली है। कक्षा 3 में उनका एक वीडियो वायरल होने के बाद से उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई। पारंपरिक छत्तीसगढ़ी गीतों, देवी गीतों, पंथी और ददरिया शैली में उनकी मधुर आवाज ने न सिर्फ राज्य बल्कि देशभर के श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया है।

बाइक अनियंत्रित होकर नाले में गिरी, युवक की मौत

बिलासपुर, (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नेहरू चौक के पास देर रात बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नाले में गिर गई। हादसे में 30 वर्षीय युवक मनीष कुमार सेंद्रे की मौत हो गई। घायल युवक को राहगीरों की मदद से नाले से निकालकर सिम्स अस्पताल पहुंचाया गया था, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

पुलिस के अनुसार, मनीष सकरी क्षेत्र के गोकुलधाम में रहता था और मूल रूप से मुंगेली जिले के चिल्फी थाना क्षेत्र का निवासी था। मंगलवार को वह किसी काम से सरकंडा क्षेत्र के ग्राम लगरा गया था। देर रात घर लौटते समय नेहरू चौक के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने उसे नाले से बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उसकी जान नहीं बच सकी। सिम्स अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने मर्ग कायम कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। बाइक अनियंत्रित होने की वास्तविक वजह का पता जांच के बाद ही चल सकेगा।

मृत आत्माओं की शांति के लिए कब्रिस्तान में विशेष पूजा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। रोमन कैथोलिक समुदाय द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 2 नवंबर को मृतकों के आत्मा की शांति के लिए कब्रिस्तान में विशेष पूजा समारोह का आयोजन किया गया। समुदाय के लोगों ने अपने मृत परिजनों और पूर्वजों की आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की, साथ ही चालू वर्ष में स्वर्गवासी हुए सदस्यों (पचबालार) की संगति में मिलने का रस्म भी अदा किया गया। समुदाय की मान्यता के अनुसार पूर्वजों की आत्माएं जीवित वंश के अपने लोगों को सुरक्षा देने एवं विकास के मार्ग में अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।



समारोह के सह-अनुष्ठाताओं में फादर ग्रेगोरी, अलेक्स एक्का, अजय बरवा, ज्ञान प्रकाश और प्रदीप एक्का शामिल थे। समुदाय के प्रमुख लोगों में फ्रांसिस कस्केट्टा, जगजीत मिंज, राजेन्द्र तिग्गा, जोसेफ किण्डो, डेविड एक्का, फिरमा, मंजेरेल्ला लकड़ा सहित हजारों की संख्या में भक्तजन उपस्थित थे।

मानव की मृत्यु के बाद की कैथोलिक मान्यता

इस अवसर पर मानव की मृत्यु के बाद की स्थिति पर कैथोलिक मान्यता के बारे में भी बताया गया। विश्वास के सिद्धांत अनुसार मनुष्य की सृष्टि ईश्वर के सान्निध्य प्राप्ति के लिए हुई है, लेकिन मानव पर कोई दबाव नहीं है कि वह नियत बर्ताव ही करे। अतः मृत्यु के पश्चात मनुष्य के कर्म के अनुसार उसकी आत्मा को फल प्राप्त होता है। मुख्य बात यह है कि एक दिन संसार का अंत आएगा और सभी मृतकों को पुनर्जीवन मिलेगा और अपने कर्मों के अनुसार फल प्राप्ति होगी।

मृत्यु अनंत जीवन में प्रवेश के लिए आवश्यक

विशप डॉ. अन्तोनिस बड़ा की अध्यक्षता में हुए समारोह दौरान अपने संदेश में उन्होंने कहा कि मृत्यु की घटना से एक सामान्य व्यक्ति भय खाता है, किंतु यह प्रक्रिया अनंत जीवन में प्रवेश के लिए आवश्यक है। हम आज यहां अपने पूर्वजों की आत्माओं की अनंत शांति के लिए प्रार्थना करने और स्वयं के अनंत जीवन में प्रवेश की अच्छी तैयारी के लिए विशेष प्रार्थना करने आए हैं।

सौतेले भाई पर पपीता पेड़ काटने की बात को लेकर टांगी से हमला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भैयाथान। सूरजपुर जिला के बंजा बेलपारा में आंगन में लगे पपीता पेड़ को काटने की बात पर सौतेले भाई ने टांगी से हमला करके युवक को लहूलुहान कर दिया। घटना में युवक के बायीं आंख के ऊपर गहरा कट लग गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मामला झिलमिली थाना क्षेत्र के चैकी बसदेई क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, परवीन मिंज पिता सीधन मिंज, 25 वर्ष निवासी ग्राम बंजा 31 अक्टूबर को शाम करीब 6 बजे अपने घर के आंगन में लगा पपीता पेड़ काट रहा था, तभी उसका सौतेला भाई अंतलाल लकड़ा वहां आया। दोनों के बीच जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा है। इसी बात को लेकर अंतलाल गाली-गलौज करने लगा और जान से मारने की नियत से टांगी से वार कर दिया। इस दौरान वह झुककर जान बचाया, लेकिन दूसरे वार में टांगी सीधे उसके बायें आंख के ऊपर लगी और खून निकलने लगा। शोर सुनकर उसकी मां सुहागो, पिता सीधन, बहन पार्वती, गनपत और सम्पत मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किए, इसके बाद आरोपी वहां से भाग गया। सूचना मिलते ही मौके पर डॉयल 112 वाहन में पुलिस पहुंची और घायल को भैयाथान अस्पताल पहुंचाया, यहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

पार्किंग में काम करने वाली महिला लापता

अंबिकापुर। जिला न्यायालय अंबिकापुर में मोटरसाइकिल पार्किंग में काम करने वाली 32 वर्षीय विवाहित महिला लापता हो गई। 30 अक्टूबर को सुबह 9.30 बजे वह रोज की तरह काम पर गई थी, लेकिन शाम तक घर वापस नहीं आई। स्वजन ने उसे आस-पास और रिश्तेदारी में तलाशा, लेकिन पता नहीं चला।

शराबबंदी की हुंकार, गोरता गांव के ग्रामीणों ने निकाली जागरूकता रैली

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर। विकासखंड के ग्राम पंचायत गोरता में नशा मुक्ति को लेकर ग्रामीण एकजुट हो गए हैं। इसी क्रम में गांव में नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से ग्रामीणों ने नशे के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक किया और गांव में पूर्ण शराबबंदी लागू करने की हुंकार भरी। ग्रामीणों ने कहा कि शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को खराब करता है, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति भी बिगड़ती है। नशे की वजह से कई घरों में रोज विवाद, अशांति और सामाजिक समस्याएं पैदा हो रही हैं। रैली के दौरान लोगों से नशे से दूर रहकर स्वस्थ समाज के निर्माण में सहयोग करने की अपील की गई।



अर्थदंड का प्रस्ताव पारित होगा ग्रामसभा में

गांव के सरपंच राम कुमार सिंह कोर्राम ने बताया कि आने वाले दिनों में ग्रामसभा आयोजित कर गांव में पूर्ण शराबबंदी का प्रस्ताव पारित किया जाएगा। इसके साथ ही गांव में शराब बनाने, बेचने, पिलाने और बाहर से शराब पीकर गांव में आकर विवाद उन्होंने कहा कि गांव में शांति और पारिवारिक खुशहाली के लिए नशामुक्त वातावरण जरूरी है।

केवरी से शुरू हुई मुहिम गोरता तक पहुंची

बता दें कि, शराबबंदी की यह मुहिम सबसे पहले केवरी गांव से शुरू हुई थी। इसके बाद कंचनपुर, कुंवरपुर, खरसुरा गांव में ग्रामीणों ने शराबबंदी लागू की। अब गोरता गांव के लोग भी एकजुट होकर पूर्ण शराबबंदी की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। इस जागरूकता रैली में सरपंच रामकुमार सिंह कोर्राम, कृष्ण राजवाड़े, सुदन सिंह, धनसाय, दिलीप राजवाड़े, सुनीता साहू, सविता राजवाड़े, उपसरपंच और पंचगण सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष ग्रामीण शामिल हुए।

संभाग स्तरीय नॉकआउट फुटबॉल प्रतियोगिता मे बलसेड़ी को हराकर सरगुजा इलेवन बना चैंपियन



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शहर के गांधी स्टेडियम में आयोजित संभाग स्तरीय नॉकआउट-कम-लीग फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 का समापन रविवार को एक रोमांचक फाइनल के साथ हुआ। फाइनल मुकाबला मेजबान सरगुजा इलेवन और नाइस क्लब बलसेड़ी के बीच खेला गया, जिसमें सरगुजा इलेवन ने 1-0 से जीत दर्ज कर चैंपियनशिप ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। मैच की शुरूआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। प्रथम हाफ में दोनों टीमों ने शानदार पासिंग और तालमेल से कई बार गोल पर हमला किया। इसी बीच सरगुजा इलेवन के फॉरवर्ड ने डी के अंदर से एक शानदार गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में बलसेड़ी की टीम ने वापसी के लिए पूरा जोर लगाया। उन्होंने सरगुजा की रक्षापंक्ति पर लगातार दबाव बनाए रखा, लेकिन सरगुजा के डिफेंस और गोलकीपर ने हर हमले को नाकाम कर दिया। अंतिम सीटी बजने तक स्कोर 1-0 ही रहा और सरगुजा इलेवन चैंपियन बन गई।

नेताओं और खेलप्रेमियों की रही मौजूदगी

फाइनल मुकाबले के निर्णायक के रूप में विल्सन, सुशील, शिव, ललित किशोर और दिनेश तिर्की रहे। कार्यकारिणी सदस्य दीपक कुजूर, कमलेश किस्पोट्टा, अखिलानंद और मंगल ने व्यवस्थाएं संभालीं। मुख्य अतिथि सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, विशिष्ट अतिथि सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, महापौर मंजूषा भगत रहे। अध्यक्षता लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने की। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, पूर्व सभापति त्रिलोक कपूर कुशवाहा, फुटबॉल संघ के संरक्षक रणविजय सिंह तोमर, जगजीत मिंज, रवींद्र तिवारी, फल थोक विक्रेता संघ अध्यक्ष संतोष सोनकर सहित पार्षद और बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद थे।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर राजमिस्त्री की पिटाई

अंबिकापुर। गांधीनगर थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपये नहीं देने पर निमार्णाधीन मकान में काम कर रहे राजमिस्त्री के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। सूरजपुर जिला के द्वारिकानगर लटोरी थाना जयनगर निवासी राजमिस्त्री चंदेश्वर कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि वह 31 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से सुभाषनगर में योगेश गुप्ता के निमार्णाधीन मकान में काम कर रहा था। दोपहर करीब 12 बजे गांव के सुरजीत अगरिया, शेखर चेरवा और आकाश बैगा वहां पहुंचे। सुरजीत ने शराब पीने के लिए पैसा मांगा। चंदेश्वर ने कहा कि अभी पैसा नहीं है, शाम को दे दूंगा। इसी बात पर नाराज होकर वह गाली-गलौज करते हुए जान से मारकर खत्म कर देने की धमकी देते हुए हाथ-मुक्का, लात से मारपीट करने लगा।

जमीन विवाद पर जानलेवा हमला कर के जबड़ा तोड़ा, पत्नि पहुंची थाने

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भैयाथान। सूरजपुर जिले के झिलमिली थाना अंतर्गत ग्राम दवनसरा सिवारीपारा में जमीन के पुराने विवाद ने खूनी रूप ले लिया। हमले में टुबलेट का सिर फट गया और जबड़ा टूट गया, हालत गंभीर बनी हुई है, उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज संबद्ध अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की रिपोर्ट घायल की पत्नी श्यामकली ने थाना झिलमिली में दर्ज कराई है। जानकारी के मुताबिक, 30 अक्टूबर की शाम 7 से 8 बजे टुबलेट गांव में ही सुभद्रा पैकरा के घर के पास गया था। वहीं सामने इंद्रदेव पैकरा का घर है। दोनों परिवारों के बीच जमीन के हिस्सा बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। इसी



रंजिश को लेकर इंद्रदेव और उसका भतीजा रामकेवल गाली-गलौज करने लगे। इसके बाद दोनों जान से मारकर खत्म कर देने की बात कहते हुए उसे दौड़ाने लगे। टुबलेट जान बचाकर भागा, लेकिन कच्चे रोड में रामदेव के घर के पास दोनों ने उसे घेर लिया और हाथ में रखे डंडे से सिर पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घटना के दौरान श्यामकली भी पीछे-पीछे आ रही थी। हमले में उसका पति जमीन पर गिर गया और सिर व मुंह से खून बहने लगा। दोनों आरोपी उसे मरा समझकर मौके से भाग गए। श्यामकली के शोर मचाने पर गांव के राजपाल मौके पर पहुंचे और 108 एंबुलेंस से घायल को भैयाथान अस्पताल ले गए, यहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल सूरजपुर रेफर किया। हालत गंभीर होने पर सूरजपुर से भी रिफर करने स्वजन उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां इलाज के दौरान चिकित्सक ने सिर में गंभीर चोट होने और मुंह का जबड़ा टूटने की जानकारी दी है। झिलमिली पुलिस ने मामला दर्ज कर अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

कीटनाशक का सेवन किए युवक की मौत



अंबिकापुर। सीतापुर थाना क्षेत्र के राधापुर तेंदूपारा निवासी रामप्रसाद 49 वर्ष अज्ञात कारणों से कीटनाशक का सेवन कर लिया। स्वजन उसे सीतापुर स्वास्थ्य केन्द्र से रिफर करने पर मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि मृतक दिमागी रूप से बीमार था। 30 अक्टूबर को वह कीटनाशक का सेवन कर लिया था। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

भटगांव के साहित्यकार जगन्नाथ पाण्डेय को विद्यासागर और पत्नी गायत्री को शब्द श्री सम्मान

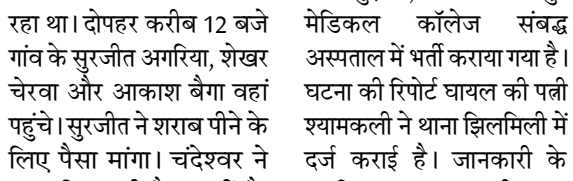
छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भटगांव। साहित्य और समाज सेवा में भटगांव क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले वरिष्ठ साहित्यकार जगन्नाथ पाण्डेय को प्रयागराज में प्रतिष्ठित 'विद्यासागर सम्मान' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान काशी हिंदी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा प्रदान किया गया है, जो मानद डॉक्टरेट के समतुल्य है। इसी मंच पर उनकी पत्नी गायत्री पाण्डेय को भी 'प्रयागराज शब्द श्री सम्मान-2026' और 'काशी काव्य संगम स्मृति सम्मान' से नवाजा गया। यह सम्मान प्रयागराज के हिंदुस्तानी एकेडमी में जगदीश साहित्य संस्थान द्वारा आयोजित 'प्रयागराज काव्य महाकुंभ' अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं पुस्तक विमोचन



समारोह में दिया गया। समारोह के मुख्य अतिथि काशी हिंदी विद्यापीठ के कुलपति डॉ. ओमप्रकाश द्विवेदी और कुलसचिव डॉ. इंद्रजीत तिवारी थे। जगन्नाथ पाण्डेय वर्तमान में भटगांव क्षेत्र के शिवानी खदान में कार्यरत हैं, लेकिन साहित्य में उनकी पहचान दूर-दूर तक है। वे ओजस्वी कविताओं के लिए जाने जाते हैं, वहीं उनकी पत्नी गायत्री पाण्डेय श्रृंगार रस की कवयित्री के रूप में प्रसिद्ध हैं। दोनों लंबे समय से देशभर के कवि सम्मेलनों में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वाराणसी में आयोजित 'वाह-वाह' ओपन माइक कार्यक्रम में भी दोनों की कविताओं की रिकॉर्डिंग की गई है, जिसका प्रसारण आगामी बसंत पंचमी 11 फरवरी को होगा। इस उपलब्धि से भटगांव सहित पूरे सूरजपुर जिले में हर्ष का माहौल है।

ब्रेक फेल होने पर पेड़ से भिड़ी पिकअप, चालक की मौत



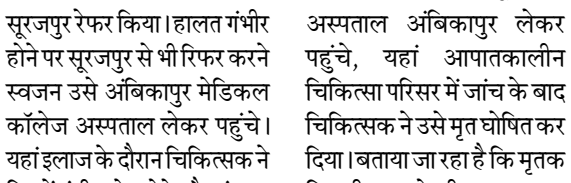
छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित हुई पिकअप वाहन पेड़ से टकरा गई। हादसे में घायल चालक की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के ग्राम शारदापुर चकिमा का बिजेन्द्र पिता स्व. घासीलाल 40 वर्ष, 31 अक्टूबर को पिकअप वाहन से मैनपाट आलू लेने के लिए अपने सहयोगी आकाश के साथ गया था। आलू लोड करके वापस लौटते वक्त ढलान में वह धीरे-धीरे पिकअप वाहन को उतारने की बात कहते हुए आकाश को नीचे उतर जाने के लिए कहा। ढलान में कुछ दूर जाने के बाद पिकअप का ब्रेक फेल हो गया और अनियंत्रित वाहन पेड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। आननफानन में वाहन में फंसे चालक बिजेन्द्र में मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लाया गया, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम करके मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

सरगुजा संभाग के न्यायिक अधिकारियों को मध्यस्थता का विशेष प्रशिक्षण

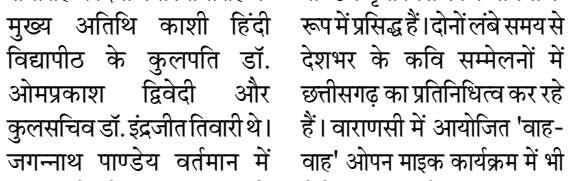
वास्तविक विवादों जैसी परिस्थितियां बनाकर न्यायिक अधिकारियों को अभ्यास कराया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन



अंबिकापुर। न्यायालयों में लंबित मामलों के त्वरित और सौहार्द्रपूर्ण निराकरण के लिए सरगुजा संभाग के न्यायिक अधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। जिला सरगुजा में आयोजित एक दिवसीय द्वितीय इंटरैक्टिव रोल प्ले प्रशिक्षण का उद्देश्य मध्यस्थता के जरिए विवादों को सुलझाने की क्षमता को विकसित करना था। यह प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं राज्य के जिला न्यायालयों में स्थित मध्यस्थता केंद्रों की निगरानी हेतु गठित समिति और छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सरगुजा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में सरगुजा संभाग अंतर्गत जिला सरगुजा, जशपुर और कोरिया के न्यायिक अधिकारियों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षक के रूप में पोटेंशियल ट्रेनर ओम प्रकाश चौहान अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रतापपुर और पोटेंशियल ट्रेनर हमीदा सिद्दीकी वरिष्ठ अधिवक्ता छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर उपस्थित रहीं। दोनों प्रशिक्षकों ने मध्यस्थता की प्रक्रिया के व्यावहारिक और महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान इंटरैक्टिव रोल प्ले के माध्यम से वास्तविक विवादों जैसी परिस्थितियां बनाकर न्यायिक अधिकारियों को अभ्यास कराया गया। इसमें पक्षकारों के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करने, उनकी समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनने, विवाद के मूल कारणों को समझने और आपसी मतभेदों को दूर कर स्वेच्छा से सहमति के आधार पर समाधान खोजने के लिए प्रेरित करने की तकनीकों पर विशेष जोर दिया गया। आयोजकों ने बताया कि मध्यस्थता न केवल न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के भार को कम करने का प्रभावी माध्यम है, बल्कि यह विवादित पक्षों को आपसी समझ और संवाद के आधार पर समाधान पाने का अवसर भी देती है। इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम न्यायिक व्यवस्था में वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

महामना मालवीय मिशन ने डॉ. जी.डी. सिंह की माता और अनुज वधु के निधन पर जताया शोक



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। महामना मालवीय मिशन, सरगुजा के सदस्यों ने डॉ. जी.डी. सिंह की स्वर्गीय माता एवं अनुज वधु के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मिशन के सदस्यों ने दिवंगत पुण्यात्माओं को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि माता का स्नेह, त्याग और संस्कार परिवार की सबसे बड़ी धरोहर होता है। वहीं अनुज वधु का असमय निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। प्रियजन का बिछुड़ना जीवन की ऐसी पीड़ा है जिसकी भरपाई संभव नहीं है। सदस्यों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को श्रीचरणों में स्थान दें और परिजनों को इस कठिन घड़ी में धैर्य और शक्ति प्रदान करें।

इजराइल के हाल ही में हुए संसदीय चुनाव में वस्तुतः किसी भी एक राजनीतिक गठबंधन को 120 सीटों वाली संसद में स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं हो सका है। नेतन्याहू के नेतृत्व वाला राजनीतिक गठबंधन संसद में स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से आठ सीटों से पीछे रह गया है। चुनाव के आंकड़े साफ तौर पर बयान कर रहे हैं कि सन् 2022 चुनाव के मुकाबले में प्रधानमंत्री नेतन्याहू की राजनीतिक लोकप्रियता में विकट गिरावट दर्ज की गई है। ऐसे में त्रिशंकु संसद के आसार बनते दिखाई दे रहे हैं। उधर, अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान हो रहे मिड-टर्म चुनाव उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' की नीतियों, आक्रामक व्यापारिक रुख और वैश्विक कूटनीति के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित होने जा रहे हैं। यदि इन चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को करारा झटका लगता है तो इसके घरेलू राजनीति के साथ-साथ पूरी वैश्विक व्यवस्था पर दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे। वहीं, यूरोप के कई देशों में हिंसा, आगजनी, विरोध-प्रदर्शनों और सामाजिक तनाव की घटनाएं सामने आई हैं। वहां शरणार्थी संकट स्पष्ट करता है कि केवल मानवीय आधार पर शरण देना पर्याप्त नहीं है; इसके साथ सामाजिक एकीकरण, रोजगार, शिक्षा, सुरक्षा और दीर्घकालिक योजना पर भी गंभीरता से काम करना आवश्यक है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

इजराइल : सत्ता से बेदखल हो सकते हैं नेतन्याहू



विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

इजराइल में संपन्न हुए संसदीय चुनाव के परिणाम प्राप्त हो चुके हैं। चुनाव परिणाम के तत्पश्चात यक्ष प्रश्न उपस्थित हुआ है कि क्या बेंजामिन नेतन्याहू सत्ता से बेदखल हो सकते हैं? इजराइल के चुनाव पर यूं तो समस्त विश्व की निगाहें टिकी रही हैं, किंतु भारत में इस चुनाव को लेकर विशेष उत्सुकता और उत्कंठा व्याप्त रही है, क्योंकि इजराइल के साथ भारत की घनिष्ठ मित्रता कूटनीतिक ताल्लुकात से कहीं अधिक गहन होकर अत्यंत आत्मीय संबंधों के शिखर तक जा पहुंची है। इजराइल के इस संसदीय चुनाव में वस्तुतः किसी भी एक राजनीतिक गठबंधन को 120 सीटों वाली संसद में स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं हो सका है। इजराइल बनाम ईरान जंग की जबरदस्त तपिश से सराबोर बड़े जोश खरोश के साथ प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू चुनाव मैदान में उतरे थे।

इजराइल में संपन्न हुए संसदीय चुनाव के परिणाम प्राप्त हो चुके हैं। चुनाव परिणाम के तत्पश्चात यक्ष प्रश्न उपस्थित हुआ है कि क्या बेंजामिन नेतन्याहू सत्ता से बेदखल हो सकते हैं? इजराइल के चुनाव पर यूं तो समस्त विश्व की निगाहें टिकी रही हैं, किंतु भारत में इस चुनाव को लेकर विशेष उत्सुकता और उत्कंठा व्याप्त रही है, क्योंकि इजराइल के साथ भारत की घनिष्ठ मित्रता कूटनीतिक ताल्लुकात से कहीं अधिक गहन होकर अत्यंत आत्मीय संबंधों के शिखर तक जा पहुंची है। इजराइल के इस संसदीय चुनाव में वस्तुतः किसी भी एक राजनीतिक गठबंधन को 120 सीटों वाली संसद में स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं हो सका है। इजराइल बनाम ईरान जंग की जबरदस्त तपिश से सराबोर बड़े जोश खरोश के साथ प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू चुनाव मैदान में उतरे थे। चुनाव परिणाम में नेतन्याहू की लिकुड पार्टी तो केवल 27 सीटों पर सिमट कर रह गई है और उनके नेतृत्व वाला राजनीतिक गठबंधन भी इजराइली संसद में केवल 53 सीटें ही हासिल कर पाया। उल्लेखनीय है कि चार वर्ष पहले सन् 2022 के संसदीय चुनाव में नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को 32 सीटें हासिल हुई थी और नेतन्याहू के नेतृत्व में उनके राजनीतिक गठबंधन ने 64 संसदीय सीटों पर विजय हासिल हुई थी। 2022 के संसदीय चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री येअर लेपिड के नेतृत्व वाले राजनीतिक गठबंधन को केवल 51 सीटों पर विजय हासिल हुई थी। वर्ष 2026 के संसदीय चुनाव में नेतन्याहू के नेतृत्व वाला राजनीतिक गठबंधन संसद में स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से आठ सीटों से पीछे रह गया है। संसदीय चुनाव के आंकड़े साफ तौर पर बयान कर रहे हैं कि सन् 2022 चुनाव के मुकाबले में प्रधानमंत्री नेतन्याहू की राजनीतिक लोकप्रियता में विकट गिरावट दर्ज की गई है। जनरल आइजनकोट की कमान में विपक्षी पार्टियों के गठबंधन को 48 संसदीय सीटों पर विजय हासिल हुई है। अत्यंत विस्मयकारी रूप से इजराइल की अरब पार्टियों को 19 सीटों पर जीत हासिल हुई है। वर्ष 2022 के संसदीय चुनाव में अरब पार्टियों को केवल 10 सीटें प्राप्त हुईं।



इजराइली लोकतंत्र के समक्ष गंभीर सुरक्षा चुनौतियां

मध्य पूर्व में मौजूद शाही सामंती सरकारों के मध्य स्थापित इजराइली लोकतंत्र के समक्ष गंभीर सुरक्षा चुनौतियां सदैव उपस्थिति रहती हैं। ऐतिहासिक तौर पर दृष्टि डाली जाए तो 1948 में अपने स्थापना काल से आज तक इजराइल में किसी भी एक राजनीतिक पार्टी की हुकूमत अस्तित्व में नहीं आ पाई। मैडम गोल्डा मायर जैसी अत्यंत लोकप्रिय लीडर को भी इजराइली संसद में केवल 56 सीटें हासिल हो पाई थीं। किसी भी राजनीतिक गठबंधन को स्पष्ट बहुमत न मिल पाने के कारण वर्ष 2019 से वर्ष 2022 के मध्य इजराइल में पांच बार संसदीय चुनावों का आयोजन करना पड़ा था। इजराइल की तकरीबन एक करोड़ आबादी में छियत्तर लाख मतदाता हैं। वर्ष 2022 के संसदीय चुनाव के पश्चात इजराइल में प्रधानमंत्री नेतन्याहू के राजनीतिक गठबंधन की सरकार का गठन किया जा सका, जिसने अपना चार वर्ष का कार्यकाल पूरा किया। प्रबल प्रश्न है कि क्या विपक्षी गठबंधन नेतन्याहू को राजसत्ता से बेदखल करने के लिए अरब पार्टियों के साथ मिलकर हुकूमत निर्मित करने का जोखिम लेगा, जिनका वह विरोधी रहा है। प्रबल वामपंथी लीडर यायर गोलान ने कहा है कि राजसत्ता से नेतन्याहू को बेदखल करने के लिए अरब पार्टियों के साथ साझेदारी करने की पेशकश की है और कहा है कि यहूदियों और अरबों के मध्य धार्मिक और नस्लवादी मतभेदों को अब तो इजराइल में गहरा दफन कर देना चाहिए। वामपंथी लीडर यायर गोलान की पेशकश को यदि आइजनकोट का राजनीतिक गठबंधन स्वीकार कर लेता है तो फिर यकीनन नेतन्याहू इजराइल के अगले प्रधानमंत्री नहीं बन सकेंगे।

अरब पार्टियों को फंडिंग

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने संगीन इल्जाम आयद किया है कि इजराइल विरोधी शक्तियों द्वारा चुनाव में उनकी प्रबल विरोधी अरब पार्टियों को जबरदस्त फंडिंग की गई है और अरब पार्टियों द्वारा संसदीय चुनाव को चोरी कर लिया गया है। नेतन्याहू की लिकुड पार्टी ने भी अपने बयान में इल्जाम लगाया कि मतदाताओं को बरगलाने और आकर्षित करने के लिए विदेशी फंडिंग खैराती और प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया गया। हालांकि इस संगीन इल्जामात को सिद्ध करने के लिए कोई पुख्ता प्रमाण नेतन्याहू और लिकुड पार्टी द्वारा अभी तक पेश नहीं किए गए हैं। नेतन्याहू के इल्जामात पर इजराइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेत ने बाकायदा जांच पड़ताल शुरू कर दी है। इजराइल की केंद्रीय चुनाव समिति के कार्यवाहक महानिदेशक डीन लिवने ने फरमाया है कि संसदीय चुनाव की निष्पक्षता के व्यवस्थित उल्लंघन के इल्जामात को साबित करने के लिए किसी किस्म के ठोस और पुख्ता सबूत उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। अतः केंद्रीय चुनाव समिति के महानिदेशक द्वारा इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया गया है। इजराइल के संसदीय चुनाव के अंतिम परिणाम प्राप्त हो जाने के तत्पश्चात हुकूमत निर्मित करने के सिर्फ तीन संभावित विकल्प दृष्टिगोचर हो रहे हैं।

तीन संभावित विकल्प

प्रथम संभावित विकल्प है कि बेंजामिन नेतन्याहू और जनरल आइजनकोट के संयुक्त नेतृत्व में इजराइल में एक राष्ट्रीय सरकार का गठन किया जा सकता है। दूसरा विकल्प है कि नेतन्याहू के नेतृत्वकारी गठबंधन के साथ जनरल आइजनकोट के विपक्षी गठबंधन से पृथक होकर कुछ पार्टियां नेतन्याहू के नेतृत्व में राजनीतिक सरकार में शामिल हो सकती हैं। तीसरा संभावित विकल्प है कि जनरल आइजनकोट के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को अरब पार्टियों को समर्थन प्राप्त हो सकता है और जनरल आइजनकोट इसराइल के अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इजराइल की कुल आबादी में तकरीबन बीस फीसदी आबादी अरब नागरिकों की है। अरब आबादी में मुख्यतः मुसलमान और ईसाई हैं। आश्चर्यजनक तौर पर इस चुनाव में अरब पार्टियों को तकरीबन 15 प्रतिशत वोट हासिल हुए हैं। चुनाव अभियान के दौरान नेतन्याहू और आइजनकोट के नेतृत्वकारी राजनीतिक गठबंधनों द्वारा अरब पार्टियों से अपनी राजनीतिक दूरी बाकायदा बरकरार बनाए रखी। चुनाव के बाद आए परिणामों ने सरकार के गठन करने की विवशता ने अरब पार्टियों को हुकूमत का गठन करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है।

नीतिगत प्रश्नों पर रहे हैं मतभेद

नेतन्याहू के नेतृत्व में गठित राजनीतिक गठबंधन और जनरल आइजनकोट की कयादत वाले राजनीतिक गठबंधन के मध्य अनेक नीतिगत प्रश्नों पर अत्यंत तल्ख और तनावपूर्ण मतभेद रहे हैं। अतः इस बात की संभावना अत्यंत क्षीण है कि दोनों राजनीतिक गठबंधन एकजुट होकर राष्ट्रीय सरकार का गठन कर सकेंगे। 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा अंजाम दिए गए घातक आक्रमण में तकरीबन 1200 से अधिक इजराइली नागरिक हलाक कर दिए गए थे और 251 को बंधक बना लिया था। गजा युद्ध में बड़े पैमाने पर इजराइल के रिजर्व सैनिक हताहत हुए थे। कट्टरपंथी यहूदियों का एक संप्रदाय हरेरी है, जिसकी कुल आबादी तकरीबन 15 फीसदी है। यहूदी संप्रदाय हरेरी के युवाओं को अनिवार्य सैन्य सेवा से सदैव छूट हासिल रही है। पूर्णतः छूट के प्रश्न पर दोनों राजनीतिक गठबंधनों में गंभीर मतभेद विद्यमान हैं। जनरल आइजनकोट हरेरी संप्रदाय को अनिवार्य सैन्य सेवा से छूट देने के विरुद्ध हैं। यहूदियों के धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष समाज के मध्य गहरी खाई सदैव विद्यमान रही है। इजराइल के राष्ट्रपति ने कहा कि संसदीय चुनाव में तकरीबन 78 प्रतिशत मतदान को दृष्टिगत रखते हुए कहा जा सकता है कि इजराइल के जनमानस में सजग और जीवंत लोकतंत्र के लिए कितनी गहरी इच्छा शक्ति विद्यमान है।

मिड-टर्म का महासंग्राम ट्रंप के भविष्य पर सवाल



चुनाव

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

अमेरिकी राजनीति में मिड-टर्म यानी मध्यावधि चुनाव हमेशा से व्हाइट हाउस में बैठे राष्ट्रपति के कार्यकाल के लिए एक महत्वपूर्ण जनमत संग्रह माने जाते रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान हो रहे ये मिड-टर्म चुनाव केवल अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के नियंत्रण तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि यह उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' की नीतियों, आक्रामक व्यापारिक रुख और वैश्विक कूटनीति के लिए भी एक निर्णायक मोड़ साबित होने जा रहे हैं। यदि इन चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को करारा झटका लगता है तो इसके घरेलू राजनीति के साथ-साथ पूरी वैश्विक व्यवस्था पर दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव मंगलवार, 3 नवंबर 2026 को आयोजित होने जा रहे हैं। अमेरिकी कानून के तहत मिड-टर्म चुनाव अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की सभी 435 सीटों, सीनेट यानी अमेरिकी उच्च सदन की 100 में से 35 सीटों, 36 राज्यों में गवर्नर पदों के लिए हो रहे हैं। कई प्रांतों में राज्य विधानमंडलों, मेयरों और स्थानीय अधिकारियों के चुनाव भी शामिल हैं। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव यह तय करेंगे कि डोनाल्ड ट्रंप अपने एजेंडे को खुलकर आगे बढ़ा पाएंगे या उन्हें अपने कार्यकाल के अंतिम दो वर्षों में कांग्रेस के कड़े विरोध और नियंत्रण का सामना करना पड़ेगा। मिड-टर्म चुनावों में हार या रिपब्लिकन पार्टी का कमजोर प्रदर्शन राष्ट्रपति ट्रंप की राजनीतिक स्थिति को सीधे तौर पर प्रभावित करेगा। ऐसा होता है तो उनका विधायिका पर नियंत्रण कमजोर होना लाजिमी है। यदि विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव या सीनेट में बहुमत हासिल कर लेती है तो ट्रंप प्रशासन के लिए अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाना बेहद कठिन हो जाएगा।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव 3 नवंबर 2026 को आयोजित होने जा रहे हैं। मिड-टर्म चुनावों में हार या रिपब्लिकन पार्टी का कमजोर प्रदर्शन राष्ट्रपति ट्रंप की राजनीतिक स्थिति को सीधे तौर पर प्रभावित करेगा। ऐसा होता है तो उनका विधायिका पर नियंत्रण कमजोर होना लाजिमी है।

इमिग्रेशन, कर कटौती और संघीय बजट जैसे अहम मुद्दों पर संसद का कड़ा विरोध उनका रास्ता रोकेगा। ट्रंप अगर कमजोर होते हैं तो उन पर महाभियोग और जांच का खतरा बढ़ जाएगा। इतिहास गवाह है कि जब भी अमेरिकी राष्ट्रपति की पार्टी मिड-टर्म चुनावों में हारती है, विरोधी दल आक्रामक हो जाते हैं। यदि कांग्रेस पर विपक्ष का नियंत्रण होता है तो ट्रंप प्रशासन की नीतियों, कार्यकारी आदेशों और विदेश नीति के फैसलों के खिलाफ ताबड़तोड़ संसदीय जांच शुरू हो सकती है। वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य में अमेरिका केंद्रीय धुरी है। यदि ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को मिड-टर्म चुनावों में पराजय का सामना करना पड़ता है तो इसका असर व्यापार, युद्ध और वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर पड़ना लाजिमी है। ट्रंप प्रशासन द्वारा वैश्विक स्तर पर थोपे गए भारी-भरकम टैरिफ ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार को हिलाकर रखा है। मिड-टर्म चुनावों में रिपब्लिकन्स की हार को अलोकप्रिय आर्थिक नीतियों और बढ़ती महंगाई के खिलाफ जनता के गुस्से के रूप में देखा जाएगा। भले ही राष्ट्रपति ट्रंप के पास सीधे तौर पर ट्रेड टैरिफ लागू करने की कार्यकारी शक्तियां होती हैं, लेकिन संसद के दबाव और वैधानिक अवरोधों के कारण अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों की रफ्तार धीमी पड़ सकती है, जिससे वैश्विक बाजारों और मुक्त व्यापार समर्थकों को कुछ राहत मिल सकती है। वर्तमान में पश्चिम एशिया विशेषकर ईरान के साथ तनाव और सैन्य कार्रवाइयों के कारण वैश्विक तेल बाजार और अर्थव्यवस्था दबाव में हैं।

अमेरिकी जनता के एक बड़े वर्ग में इस बात की नाराजगी है कि इन विदेश नीतियों के कारण देश के भीतर जीवन स्तर महंगा हुआ है। जनता अगर रिपब्लिकन पार्टी को नकारती है तो अमेरिकी कांग्रेस युद्ध शक्तियों के प्रस्तावों के जरिए राष्ट्रपति के सैन्य हस्तक्षेप के अधिकारों पर लगाम कसने का प्रयास तेज कर देगी। इससे ईरान और अन्य संघर्ष क्षेत्रों में अमेरिका की सैन्य आक्रामकता सीमित हो सकती है जिससे वैश्विक स्तर पर ऊर्जा सुरक्षा और तेल कीमतों को कुछ स्थिरता मिल सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका के रुख में नाटकीय बदलाव आए हैं और पारंपरिक यूरोपीय सहयोगियों के साथ दूरियां बढ़ी हैं। यदि डेमोक्रेट्स या ट्रंप विरोधी सांसद कांग्रेस में मजबूत होते हैं तो वे यूक्रेन के लिए अमेरिकी सैन्य और आर्थिक सहायता को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर सकते हैं। इससे यूरोपीय संघ (ईयू) और नाटो के भीतर यह संदेश जाएगा कि अमेरिकी लोकतंत्र में अभी भी पारंपरिक गठजोड़ और बहुपक्षवाद के समर्थक मजबूत हैं। हालांकि, वाशिंगटन के भीतर इस खींचतान से वैश्विक सुरक्षा नीति में अनिश्चितता और बढ़ सकती है। ट्रंप प्रशासन ने ग्लोबल वार्मिंग, विश्व स्वास्थ्य संगठन और कई अंतरराष्ट्रीय मंचों से दूरी बनाने या अमेरिका को समेटने की नीति अपनाई है। अमेरिकी मिड-टर्म चुनाव 2026 केवल घरेलू राजनीति का विषय नहीं हैं बल्कि यह इस बात का पैमाना है कि क्या दुनिया का सबसे ताकतवर देश एकांगी और राष्ट्रवादी मार्ग पर आगे बढ़ता रहेगा या बहुपक्षीय संतुलन की ओर लौटेगा। यदि इन चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी को बड़ा झटका लगता है तो यह उनकी अजेय छवि को खंडित करेगा और वैश्विक मंच पर अमेरिकी फैसलों का पूर्वानुमान दोबारा स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा राजनीतिक संदेश साबित होगा।

लूला की जीत से ब्रिक्स को मिलेगी निरंतरता



मंथन

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

ब्राजील में राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की चुनावों में जीत ने भारत समेत सारी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। भारत में उनकी विजय को लेकर उत्साह अभूतपूर्व रहा है। लूला ने दक्षिणपंथी फ्लावियो बोल्सोनारो को शिकस्त दी। यह जीत सिर्फ ब्राजील की घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं है। इसके संदेश अमेरिका, भारत, चीन, रूस और ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों के लिए भी अहम हैं। खासकर ऐसे समय में जब दुनिया अमेरिकी दबदबे, चीन के बढ़ते प्रभाव और नए आर्थिक शक्ति केंद्रों के उभार के बीच बदलाव के दौर से गुजर रही है, लूला की वापसी को एक बड़े राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

सबसे पहले बात ब्रिक्स की। लूला की जीत का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय संदेश ब्रिक्स को लेकर है। ब्राजील इस संगठन का भारत के साथ संस्थापक सदस्यों में शामिल है। भारत, चीन, रूस और दक्षिण अफ्रीका के साथ मिलकर ब्राजील भी लंबे समय से इस बात की वकालत करता रहा है कि दुनिया की आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था में विकासशील देशों की भूमिका बढ़नी चाहिए। लूला ब्रिक्स को सिर्फ आर्थिक सहयोग का मंच नहीं मानते, बल्कि इसे वैश्विक व्यवस्था में संतुलन बनाने का जरिया भी मानते हैं। उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में अमेरिका और यूरोप का दबदबा कम होना चाहिए और भारत, ब्राजील तथा दूसरे विकासशील देशों को ज्यादा प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। यही वजह है कि उनकी जीत से ब्रिक्स की मौजूदा दिशा को निरंतरता मिलने की उम्मीद है। चुनाव प्रचार के दौरान फ्लावियो बोल्सोनारो ने ब्रिक्स में ब्राजील की सदस्यता पर दोबारा विचार करने की बात कही थी। इसके उलट लूला ब्रिक्स के साथ सहयोग बढ़ाने के पक्षधर हैं। लूला भारत के मित्र हैं और भारत आते रहे हैं। जाहिर है कि लूला कि विजय से भारत खुश है। भारत और ब्राजील दोनों ही विकासशील देशों की आवाज को वैश्विक मंचों पर मजबूती से उठाने की बात करते हैं। लूला की वापसी से भारत-ब्राजील संबंधों में निरंतरता बनी रहनी तय है।

भारत के लिए भी यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, क्योंकि ब्रिक्स जैसे मंचों पर दोनों देशों के बीच सहयोग से विकासशील देशों की आवाज को और मजबूती मिल सकती है। इस बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुश तो नहीं होंगे लूला की सफलता से। फ्लावियो बोल्सोनारो की जीत से वाशिंगटन को ब्राजील में एक ऐसा नेतृत्व मिल सकता था, जिसकी राजनीतिक सोच ट्रंप प्रशासन से ज्यादा मेल खाती। लेकिन लूला की जीत ने इस संभावना पर फिलहाल विराम लगा दिया है। लूला अमेरिका के विरोधी नहीं हैं, लेकिन वह अमेरिकी दबाव में विदेश नीति चलाने के पक्षधर भी नहीं हैं। उनका जोर इस बात पर रहता है कि ब्राजील अपने राष्ट्रीय हितों के हिसाब से फैसले करे। वह अमेरिका के साथ व्यापार और निवेश बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए चीन या रूस से रिश्ते खराब करने को तैयार नहीं हैं। दरअसल, पिछले कुछ समय में दोनों मुल्कों के रिश्तों में तनाव भी देखने को मिला है। जैयर बोल्सोनारो के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और रखना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी भूमिका बढ़ाना है। कुल मिलाकर, लूला की चौथी जीत को अमेरिका के खिलाफ जीत या चीन के पक्ष में जनादेश मानना जल्दबाजी होगी।

इसका असली संदेश यह है कि ब्राजील अपनी विदेश नीति में किसी एक महाशक्ति पर निर्भर नहीं रहना चाहता। वह अमेरिका से रिश्ते भी रखेगा, चीन के साथ व्यापार भी बढ़ाएगा और ब्रिक्स में अपनी भूमिका भी मजबूत करेगा। दुनिया की बदलती व्यवस्था में ब्राजील की यही स्वतंत्र भूमिका आने वाले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित कर सकती है।



ब्राजील में राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की चुनावों में जीत ने भारत समेत सारी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। यह जीत सिर्फ ब्राजील की घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं है। इसके संदेश अमेरिका, भारत, चीन, रूस और ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों के लिए भी अहम हैं।

प्रवासन नीति को जवाबदेह बनाना जरूरी



यूरोप

चरणजीत 'चरण'

स्वतंत्र पत्रकार

हाल के वर्षों में यूरोप के कई देशों में हिंसा, आगजनी, विरोध-प्रदर्शनों और सामाजिक तनाव की घटनाएं सामने आई हैं। कुछ घटनाओं में प्रवासियों और शरणार्थियों की संलिप्तता भी रही है। द्वितीय विश्वयुद्ध की विभीषिका झेलने के बाद यूरोप ने स्वयं को मानवाधिकारों, उदारवाद और वैश्विक एकजुटता के प्रमुख समर्थक के रूप में प्रस्तुत किया। राजनीतिक अस्थिरता, युद्ध, जातीय संघर्ष और आर्थिक बदहाली से जूझ रहे पश्चिम एशिया, अफ्रीका और एशिया के लाखों विस्थापित लोगों के लिए यूरोपीय देश सुरक्षित आश्रयस्थल बनकर उभरे। वर्ष 2015 में सीरिया के संकट के दौरान जर्मनी की तत्कालीन चांसलर एंजेला मर्केल की उदार शरणार्थी नीति ने इस मानवीय दृष्टिकोण को नई ऊंचाई प्रदान की। किंतु पिछले कुछ वर्षों में यूरोप के विभिन्न देशों में बढ़ती हिंसा और सामाजिक तनाव ने वहां की सरकारों को अपनी प्रवासन नीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए विवश किया है। कोई भी शरणार्थी अपने साथ अपनी भाषा, संस्कृति, विचारों और धार्मिक मान्यताओं को लेकर आता है।

विस्थापन की स्थिति में उसकी प्राथमिकता जीवन और आजीविका की सुरक्षा होती है, लेकिन समय के साथ अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने की इच्छा भी स्वाभाविक रूप से उभरती है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब प्रवासियों और स्थानीय समाज के बीच सांस्कृतिक दूरी बढ़ती जाती है और आपसी सामंजस्य स्थापित नहीं हो पाता। आज यूरोप के अनेक देश इसी चुनौती का सामना कर रहे हैं। यूरोपीय देशों ने मानवीय आधार पर लोगों को आश्रय तो दिया, लेकिन उन्हें मुख्यधारा में सम्मिलित करने के लिए आवश्यक दीर्घकालिक रणनीतियों को हर जगह प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जा सका। भाषा की बाधा, रोजगार के सीमित अवसर, कौशल का अभाव और सांस्कृतिक अंतर ने अनेक प्रवासियों के सामाजिक एकीकरण को कठिन बनाया। परिणामस्वरूप, कुछ क्षेत्रों में सामाजिक अलगाव, बेरोजगारी और अपराध जैसी समस्याएं बढ़ीं। इन परिस्थितियों के कारण फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन, बेल्जियम, ब्रिटेन और इटली जैसे देशों में सुरक्षा, रोजगार, सार्वजनिक संसाधनों और सांस्कृतिक पहचान को लेकर नागरिकों की चिंताएं बढ़ी हैं। यूरोपीय देश इस समय दो प्रमुख चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। एक ओर शरणार्थियों और प्रवासियों के सामाजिक एकीकरण तथा अवसरों की समानता को लेकर बहस तेज हुई है, तो दूसरी ओर यूरोपीय युवाओं और आम नागरिकों के बीच राष्ट्रवाद तथा सांस्कृतिक पहचान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। परिणामस्वरूप, विभिन्न विचारधाराओं के बीच टकराव बढ़ने लगा। किसी भी देश की शरणार्थी और प्रवासन नीति उसके राष्ट्रीय हितों, संवैधानिक व्यवस्था तथा अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के अनुरूप निर्धारित होती है। यूरोप में अब यह मांग जोर पकड़ रही है कि मानवीय आधार पर शरण देने के साथ-साथ कौशल-आधारित वैध प्रवासन को भी व्यवस्थित और प्रोत्साहित किया जाए। यूरोप के अनेक देश बढ़ती आयु वाली आबादी और विभिन्न क्षेत्रों में श्रमिकों की आवश्यकता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसलिए प्रवासन को पूरी तरह समाप्त करना व्यावहारिक समाधान नहीं है। यूरोप का शरणार्थी संकट स्पष्ट करता है कि केवल मानवीय आधार पर शरण देना पर्याप्त नहीं है; इसके साथ सामाजिक एकीकरण, रोजगार, शिक्षा, सुरक्षा और दीर्घकालिक योजना पर भी गंभीरता से काम करना आवश्यक है। दूसरी ओर, प्रवासन को पूरी तरह समाप्त करना भी व्यावहारिक विकल्प नहीं है, क्योंकि यूरोप के अनेक देशों को श्रमिकों और पेशेवर लोगों की आवश्यकता है। ऐसी स्थिति में उदारता को समाप्त करने के बजाय प्रवासन नीति को अधिक व्यवस्थित, चयनात्मक और जवाबदेह बनाना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए मानवीय करुणा तथा मानवाधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती। यूरोप का भविष्य इसी संतुलन पर निर्भर करेगा कि वह अपनी सीमाओं की सुरक्षा, आर्थिक आवश्यकताओं और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के साथ शरणार्थियों के एकीकरण को किस प्रकार सुनिश्चित करता है।



मानवीय करुणा तथा मानवाधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती। यूरोप का भविष्य इसी संतुलन पर निर्भर करेगा कि वह अपनी सीमाओं की सुरक्षा, आर्थिक आवश्यकताओं और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के साथ शरणार्थियों के एकीकरण को किस प्रकार सुनिश्चित करता है।

इंडिया ब्लॉक की दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली रही फ्लाप : पात्रा

हथकंडों से कोई प्रधानमंत्री नहीं बन सकता, इसके लिए 'पी' मतलब पसीना व 'एम' मतलब मेहनत जरूरी, 40 फीसदी जगह खाली रही

दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की रैली को लेकर भाजपा ने तीखा हमला बोला। कुछ ने मात्र समय की बर्बादी बताया तो औरों ने इसे विपक्ष की साजिश करार दिया। इसके साथ ही भाजपा ने आज के दिन ही हुए सिख दंगों और नरसंहार का भी जिक्र किया।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की रैली को लेकर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने रैली में भीड़ जुटाने के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि मैदान का करीब 40 फीसदी हिस्सा खाली था। रैली में 10 लाख लोगों के पहुंचने की बात कही थी, लेकिन ऐसा नजर नहीं आया। उन्हें यह पूरा आयोजन समय की बर्बादी लगा। राहुल और उनकी टीम के 10 लाख लोगों के जुटने के दावे की हकीकत मैदान में दिखाई दे रही थी।



28 हजार कुर्सियों में 5 से 7 हजार रिक्त रहीं

पात्रा ने दावा किया कि मैदान में करीब 28 हजार कुर्सियां लगाई गई थीं, जिनमें से दोपहर 3:30 से 4 बजे के बीच लगभग 5 हजार से 7 हजार कुर्सियां खाली थीं।पात्रा ने सवाल उठाया कि अगर रैली में 10 लाख लोगों के आने का दावा किया गया था, तो वे लोग कहां थे? उ दावों और मैदान की वास्तविक स्थिति में अंतर साफ दिखाई दे रहा था।

ऐसे हथकंडों से शीर्ष पद नहीं पा सकते

संबित पात्रा ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि केवल इस तरह के हथकंडों से कोई नेता या प्रधानमंत्री नहीं बन सकता। उन्होंने प्रधानमंत्री शब्द का अपने अंदाज में अर्थ समझाते हुए कहा कि 'पी' का मतलब पसीना और 'एम' का मतलब मेहनत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के लिए पसीना बहाना और मेहनत करना जरूरी है।

किसी ने राहुल को यहां खरीदारी करते देखा?

पात्रा ने कहा -क्या आपने कभी राहुलजी को चांदनी चौक में खरीदारी करते देखा है? उनका पासपोर्ट देखिए, उस पर वियतनाम की मुहर पहले से लगी हुई है और बैंकॉक, थाईलैंड की भी मुहर लगी है। कहां खरीदारी करेंगे।

यह भारत आपके अब्बू जान का नहीं, देश के लोगों का है

पात्रा ने कहा कि राहुल जी, यह भारत आपके अब्बू जान का नहीं है। यह भारत देश के लोगों का है। इस लोकतंत्र में एक चाय बेचने वाला भी प्रधानमंत्री बन सकता है और एक सामान्य व्यक्ति भी गृह मंत्री बन सकता है। यही बात आपको परेशान करती है। यह अराजकता का तमाशा है।

दिल्ली में किया था नरसंहार: पुरी

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि 'दिल्ली में 2,733 लोगों की हत्या हुई थी। उस घटना को दंगा कहा जाता है, लेकिन इसके लिए सही शब्द नरसंहार है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया था।



रैली मूर्खतापूर्ण और पूर्व निर्धारित नाटक रही: नड्डा

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की रैली को मूर्खतापूर्ण एवं पूर्व निर्धारित नाटक करार देते हुए कहा कि यह रैली कांग्रेस के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी और पार्टी के राजनीतिक पतन का कारण बनेगी। यह विरोध-प्रदर्शन लोकतंत्र को अराजकता और अव्यवस्था के हवाले करने की सोची-समझी साजिश का हिस्सा है। नड्डा ने राहुल गांधी का मकसद सिख भाइयों के जख्मों पर नमक छिड़कना है।



एसआईआर में घुसपैठियों का नाम कटा तो राहुल रो रहे: सरमा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शिमला में कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में घुसपैठियों का नाम जो काटा गया है इसलिए राहुल गांधी रो रहे हैं। घुसपैठियों को बचाने के लिए वो ड्रामा कर रहे हैं लेकिन देश की जनता घुसपैठियों को कभी मतदाता सूची में नहीं आने देगी और हम पूरी ताकत से चुनाव आयोग और देश की जनता के साथ खड़े हैं। अगर इतना ही बांग्लादेश के लिए प्यार है, तो राहुल जी जाकर चुनाव बांग्लादेश से लड़ो।



कांग्रेस ने 'संविधान चोरी' की : फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'वोट चोरी' के विपक्ष के आरोपों को लेकर रविवार को पलटवार करते हुए कांग्रेस पर आपातकाल के दौरान 'संविधान चोरी' करने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश का आरोप लगाया।



लोग रैलियों के साथ-साथ व्यापारियों की छोटी दुकानों से खरीदारी भी करें

त्योहारी सीजन में खरीदी करें, भाजपा की अफवाह को गलत करें: प्रियंका

रामलीला मैदान में गठबंधन की 'वोट बचाओ महा-रैली' का आयोजन किया गया था, जिसमें कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा सहित विपक्ष के कई बड़े नेता शामिल हुए। रैली से पहले चेंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री और सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के अनुरोध पर प्रियंका गांधी ने कहा कि यह दिवाली, छठ और भाई दूज का त्योहारी मौसम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली आने वाले लोग रैलियों के साथ-साथ व्यापारियों की छोटी दुकानों से खरीदारी भी करें ताकि उन्हें कोई नुकसान न हो और भाजपा की अफवाहें गलत साबित हों। यह रैली मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण तथा 'वोट चोरी' के विरोध में बुलाई गई थी।



जमीन बची नहीं, अंगद का पैर कहां रखोगे?



रैली में सपा के प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर जमकर हमले किए। उन्होंने कहा, 'जबसे यह तय हुआ है कि रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन एकजुट होकर उन तमाम लोगों को जिन लोगों ने लोकतंत्र को कमजोर करने का काम किया है, उनके खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। अगर मैं यह कहूं कि एक करोड़ 27 लाख वोट कटे हैं, उसका गणित हम लगा दें 403 विधानसभाओं का तो हर विधानसभा में वोट कम हुए हैं। जो लोग तय कर के आए हैं कि अंगद का पैर हैं, वे जानते हैं कि जमीन ही नहीं बची है तो पैर कहां रखोगे।

ज्ञानेश से लोगों का उनसे भरोसा उठ चुका



कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा है कि ऐसा लगता है कि जनता की आवाज गूंज उठी है। अब समय आ गया है कि ज्ञानेश कुमार जनता की इस आवाज को सुनें। अगर उनमें जरा भी नैतिक विवेक बचा है, तो उन्हें समझना चाहिए कि लोगों का उन पर से भरोसा उठ चुका है। उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बहुत बड़ी संख्या में लोग पहुंचे हैं।

लोकतंत्र और मतगणना को हाईजैक किया गया

रामलीला मैदान में हुई 'इंडिया' गठबंधन की महारैली में पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बेनर्जी ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर तीखे हमले किए। ममता ने कहा कि वे लोकतंत्र को बचाए रखेंगी और इस लड़ाई को पीछे नहीं छोड़ेंगी। उन्होंने दावा किया कि वे हारी नहीं हैं, बल्कि उन्हें हराया गया है और बंगाल एसआईआर का सबसे ज्यादा शिकार हुआ है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मतगणना को हाईजैक किया गया है और एसआईआर को विशेष रूप से भाजपा की मदद के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने मांग की कि ज्ञानेश कुमार को हटाया जाना चाहिए। ममता ने यह भी आरोप लगाया कि ईवीएम लूटी गई, लोकतंत्र और संविधान पर हमला हुआ है, तथा राम मंदिर के फंड में भी भ्रष्टाचार/लूट की गई है सभी को मिलकर भाजपा के खिलाफ डटकर मुकाबला करना चाहिए।



खबर संक्षेप

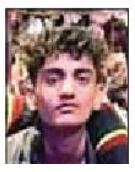
पंजाब में आप के 2 विधायकों का इस्तीफा

पटियाला। पंजाब में आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पटियाला जिले की समाना विधानसभा सीट से विधायक चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा ने भी आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।



हनी सिंह के 'भतीजे' समेत 2 की मौत

जालंधर। रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई। हादसा पुलिस लाइन के पास स्थित फ्लाईओवर पर हुआ, जहां बर्थडे पार्टी से घर लौट रहे



'अर्नब' के बाद अब 'मुरासु' का कई राज्यों में खतरा बढ़ा

बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात

बेहद गंभीर तूफान आने की आशंका चलेंगी आंधी, ओडिशा में 'हाईअलर्ट'

ओडिशा सरकार ने राज्य के दक्षिणी हिस्सों में तैयारियां तेज कर दी हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के ताजा बुलेटिन के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान 'मुरासु' बन गया है।



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव रविवार को चक्रवाती तूफान 'मुरासु' में तब्दील हो गया। इसके बाद ओडिशा सरकार ने राज्य के दक्षिणी हिस्सों में तैयारियां तेज कर दी हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के ताजा बुलेटिन के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान 'मुरासु' बन गया है। इसके तीन नवंबर को आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की आशंका है। आईएमडी ने बताया कि भारत की ओर से नामित चक्रवात 'मुरासु' के बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। इसके तीन नवंबर की सुबह नेल्लोर और नरसापुर के बीच आंध्र प्रदेश के तट को पार करने का अनुमान है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है, जबकि झोंकों के साथ यह 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

जान माल के नुकसान की आशंका

विभाग ने सुरक्षात्मक कदम उठाने की सलाह दी

मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी जारी की



निचले इलाकों से लोगों को निकालने के निर्देश

तूफान के खतरे को देखते हुए ओडिशा सरकार ने निचले इलाकों और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का आदेश दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, तूफान का असर राज्य में भी पड़ सकता है। इससे पहले चक्रवात 'अर्नब' के कारण ओडिशा के गंजाम और गजपति जिलों में भारी बारिश और बाढ़ आई थी।

ओडिशा के दक्षिणी हिस्से होंगे प्रभावित

ओडिशा के आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने बताया कि प्रदेश सरकार ने दक्षिणी क्षेत्र में पहले ही हाई अलर्ट जारी कर दिया है। सरकार ने निचले इलाकों और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश भी दिए हैं। भुवनेश्वर मौसम विज्ञान केंद्र की निदेशक मनोरमा मोहंती ने बताया कि चक्रवात के प्रभाव से ओडिशा में दो नवंबर से बारिश शुरू होगी। तीन और चार नवंबर को बारिश की तीव्रता बढ़ने की संभावना है।

मुख्य जानकारियां

- **नाम का अर्थ:** इस तूफान का नाम 'मुरासु' भारत द्वारा सुझाया गया है, जिसका तमिल भाषा में अर्थ 'नगाड़ा' या 'ढोल' होता है।
- **हवा की रफ्तार:** तूफान के दौरान हवा की गति 100 से 110 किमी/घंटा रह सकती है, जो झोंकों के साथ 120 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है।
- **प्रभावित क्षेत्र और बारिश का अलर्ट:** आंध्र प्रदेश और ओडिशा में 2 और 3 नवंबर को आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा में भारी से बहुत भारी बारिश (कुछ जगहों पर 200 से 300 मिमी तक) का अलर्ट जारी किया गया है।
- **अन्य राज्य:** 4 नवंबर तक भारी बारिश की चेतावनी दी गई है, और कुल कई राज्यों में मौसम प्रभावित रहेगा।
- **प्रशासनिक तैयारी:** आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी है और लोगों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। सभी को आगाह किया है।

आज केरल समेत इन राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट

विभाग के अनुसार केरल, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। रविवार को कुछ जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने साउथ इंडिया के कुछ इलाकों में आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की भी चेतावनी दी है।

कल आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है तूफान: मौसम विभाग



आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि मौसम प्रणाली के चक्रवाती तूफान में बदलने के बाद इसका नाम 'मुरासु' रखा गया है। इसके 3 नवंबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की आशंका है। पहले अनुमान जताया गया था कि तूफान के दौरान हवा की रफ्तार 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे रह सकती है और झोंके 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकते हैं।

रात्रिकालीन रेल संपर्क को बढ़ावा

वैष्णव ने बेंगलुरु-मुंबई वंदे भारत स्लीपर को रवाना किया



एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को बेंगलुरु और मुंबई के बीच चलने वाली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस की पहली यात्रा को हरी झंडी दिखाई। अधिकारियों ने बताया कि इस ट्रेन के शुरू होने से दोनों प्रमुख महानगरों के बीच रात्रिकालीन रेल संपर्क मजबूत होगा। उन्होंने बताया कि 16 डिब्बों वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन बेंगलुरु के सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल से रवाना हुई। यह ट्रेन सोमवार सुबह 6.15 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) पहुंचेगी। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और एचडी कुमारस्वामी, राज्य मंत्री वी सोमन्ना और शोभा करंदलाजे तथा सांसद तेजस्वी सूर्या, पीसी मोहन और सी एन मंजूनाथ सहित कई मौजूद थे। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने बताया कि ट्रेन की नियमित सेवाएं मुंबई से बेंगलुरु की दिशा में 2नवंबर से और वापसी 3 नवंबर से शुरू होंगी।

सोमवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन चलेगी

रेलवे ने बताया कि बेंगलुरु से मुंबई के बीच ट्रेन संख्या 27652 सोमवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन चलेगी और यह ट्रेन बेंगलुरु के सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल (एसएमवीटी) से शाम 7.45 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 11.55 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) पहुंचेगी। इसके मुताबिक वापसी में ट्रेन संख्या 27651 सीएसएमटी मुंबई से रात 8.10 बजे रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 12 बजे एसएमवीटी बेंगलुरु पहुंचेगी। यह सेवा मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन संचालित होगी।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क०/अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सारिका तिवारी पति श्री राजेश तिवारी, निवासी ग्राम अजिरमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा ग्राम अजिरमा स्थित भूमि खसरा नंबर 929/2 मेसे रकबा 116 वर्ग मीटर भूमि को विक्रेता देवदत्त एसोसिएट्स पार्टनर मनोज पाठक आ. स्व. वाचस्पति पाठक, जाति ब्राहम्ण, निवासी ब्रम्ह रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा दिनांक 26.06.2020 को पंजीबद्ध विक्रय पत्र के माध्यम से कय किया गया है। आवेदक द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण बावत आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25/11/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 30/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आलोक कुमार गर्ग पिता आनंद प्रकाश अग्रवाल निवासी दत्ता कॉलोनी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 243/115 रकबा 0.019 हे0 एवं खसरा नंबर 243/306 रकबा 0.016 हे0 भूमि राजस्व अभिलेखो में वसीयतनामा दिनांक 23.07.2019 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 25.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः 28/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, पवन कुमार बनबासी उर्फ पवन कुमार बनवासी (पुराना नाम जिसे बदला जाना है), सुपुत्र स्वर्गीय मछिन्दर राम उर्फ स्वर्गीय मछिन्दर राम सनमानी उर्फ स्वर्गीय मछिन्दर बनवासी उर्फ स्वर्गीय मछिन्दर राम बनवासी एवं श्रीमती सत्यवती बाई उर्फ श्रीमती सत्यवती सनमानी (माता का नाम), वर्तमान निवासी (आधार कार्ड अनुसार): गांव/शहर-रायकेरा, पोस्ट-रायकेरा, तहसील- कुनकुरी, जिला- जशपुर, छत्तीसगढ़, पिनकोड-496225 एवं स्थायी निवासी (मूल निवास प्रमाण पत्र अनुसार): गांव/शहर-सोनपुर, पोस्ट- बिमड़ा, तहसील- बगीचा, जिला-जशपुर, छत्तीसगढ़, पिनकोड- 496224 ने अपना नाम पवन कुमार बनबासी उर्फ पवन कुमार बनवासी (पुराना नाम) से बदलकर पवन कुमार सनमानी (नया नाम) PAWAN KUMAR SANMANI रख लिया है। इस संबंध में मेरे द्वारा शपथ पत्र निष्पादित भी किया गया है।

शपथकर्ता
पवन कुमार सनमानी
ग्राम-रायकेरा, पोस्ट- रायकेरा, तहसील- कुनकुरी, जिला- जशपुर, छत्तीसगढ़, पिनकोड-496225

विभाग की नई पहल: आज से बदल गया कॉलिंग का तरीका

अब फोन पर दिखाई देगा कॉलर का असली नाम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रविवार से भारत में मोबाइलों पर आने वाली हर इनकमिंग कॉल के साथ कॉलर का रजिस्टर्ड केवाईसी नाम दिखाई देगा। दूरसंचार विभाग ने जियो, एयरटेल, वीआई और बीएसएनएल को अपने 4जी और नए नेटवर्क पर कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन फीचर चालू करने का निर्देश दिया है। फोन में पहले से सेव कॉन्टैक्ट्स को ही प्राथमिकता मिलेगी। बिना किसी एप के फ्रॉड और स्पूफिंग पर लगाम लगाने के मकसद से यह बदलाव किया गया है।नाम डिस्प्ले के लिए एक सख्त नियम तय किया गया है। सबसे पहले आपका सेव किया हुआ कॉन्टैक्ट ही दिखेगा। इसके साथ ही अनसेव्ड भारतीय नंबरों के लिए नेटवर्क कॉलर के सब्सक्राइबर रिकॉर्ड वाला नाम दिखाएगा। विदेशी कॉल्स पर इंटरनेशनल कॉल लिखा आएगा।

फ्रॉड और स्पूफिंग पर लगाम लगाने के मकसद से बदलाव किया

जियो, एयरटेल और वीआई पर लागू



सुविधा केवल 4जीऔर 5जी नेटवर्क पर

यह सुविधा केवल 4जीऔर 5जी नेटवर्क पर लागू होगी। पुराने 2 जी या 3जी नेटवर्क इसके दायरे में नहीं हैं। एंड्रॉइड और आईफोन के इन-बिल्ट फोन डायलर में ही यह नाम नजर आएगा। डुअल-सिम फोन में जिस नंबर पर कॉल आएगी, नाम उसी लाइन पर दिखेगा।

जियो ने शर्तें ऑनलाइन लिस्ट की

अगर आपकी स्क्रीन पर गलत नाम दिख रहा है, तो जरूरी दस्तावेजों के साथ अपनी टेलीकॉम कंपनी के स्टोर जाएं और सीएएफ करेक्शन या ओनरशिप ट्रांसफर के लिए अप्लाई करें। सिम पोर्ट कराने पर नया केवाइसी होता है, जिससे नाम अपने आप अपडेट हो जाता है।

नाम न दिखे तो इन एप के पॉप-अप डिसेबल करें

थर्ड-पार्टी कॉलर आईडी ऐप्स के ओवरले सीएनएपी के नाम को छिपा सकते हैं, इसलिए अगर नाम न दिखे तो इन एप के पॉप-अप डिसेबल कर दें। स्पैम फिल्टर्स पहले की तरह काम करते रहेंगे, क्योंकि सीएनएपी स्पैम की रेटिंग नहीं करता। जैसा कि ट्रूकॉलर का कहना है, सिर्फ नाम पता चलने से स्पैम कॉल बंद नहीं होते। फोन का सॉफ्टवेयर अपडेट रखें।

राज्योत्सव पर इंद्रावती टाइगर रिजर्व में पहली जंगल सफारी और अचानकमार में बफर सफारी शुरू

वन मंत्री ने किया शुभारंभ, वन्यजीव पर्यटन के विस्तार के साथ स्थानीय लोगों को मिलेंगे रोजगार के अवसर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।छत्तीसगढ़ में वन्यजीव पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य स्थापना दिवस पर वन मंत्री केदार कश्यप ने दो नई सफारी सेवाओं का शुभारंभ किया।उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बीजापुर के इंद्रावती टाइगर रिजर्व में पहली जंगल सफारी और मुंगेली के अचानकमार टाइगर रिजर्व में केंवची गेट से बफर सफारी का वर्चुअल बटन दबाकर उद्घाटन किया। इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विधायक धर्मजीत सिंह भी वर्चुअली जुड़े। दोनों जगह बुकिंग शुरू हो गई है।

इंद्रावती में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पहली बार सफारी

लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहे बस्तर के इंद्रावती टाइगर रिजर्व में यह ऐतिहासिक शुरूआत है। एंट्री गेट बीजापुर मुख्यालय से 60 किमी दूर उलूर गांव में बनाया गया है। पर्यटक बीजापुर से भोपालपटनम होते हुए पहुंच सकेंगे।यहाँ 4 जिप्सी वाहन, प्रशिक्षित गाइड और चाय-नाश्ते की व्यवस्था। संचालन की पूरी जिम्मेदारी स्थानीय ग्रामीणों को दी गई है। युवाओं को कांगेर घाटी नेशनल पार्क में ट्रेनिंग दी गई है। गाइड, ड्राइवर, होम-स्टे, पारंपरिक व्यंजन और हस्तशिल्प से ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा।बाघ, राजकीय पशु वन भैंसा, गिद्ध सहित जैव विविधता देख सकेंगे पर्यटक।

अचानकमार में 50 किमी लंबी बफर सफारी

मुंगेली के अचानकमार टाइगर रिजर्व में केंवची गेट से पहली बार बफर सफारी शुरू हुई है। यह गेट गौरेला-पेंड्रा-मरवाही से अमरकंटक मार्ग पर एनएच-45 पर स्थित है। इसका 50 किलोमीटर का रूट भैरोसांगफाटर, सेमर वॉच टॉवर, कचांदी, जलांगो तिराहा, दरियाबूट कैंप और आमाडोब बैरियर तक फैला हुआ है। इसका क्षेत्रफल कुल 914 वर्ग किमी में फैला है (626 कोर, 287 बफर)। यहां जिप्सी का किराया 3500 रुपये प्रति राउंड तथा महारानी वाहन का किराया 5000 रुपये प्रति राउंड हैं।1 जिप्सी और 3 महारानी वाहन उपलब्ध। इसके शुरू होने से अमरकंटक-अचानकमार-रतनपुर टूरिज्म सर्किट को बढ़ावा मिलेगा। पर्यटक यहां बाघ, तेंदुआ, भालू, गौर, चीतल, सांभर, सिहावल सागर, माझी डोंगरी वॉच टॉवर और जल्दा ग्रासलैंड देख



सकेंगे। ठहरने के लिए केंवची गेट के पास सोनभद्र रिसोर्ट और निजी रिसोर्ट उपलब्ध। अचानकमार में पर्यटकों को बाघ, तेंदुआ, भालू, गौर, चीतल, सांभर और अन्य वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को देखने का अवसर मिलेगा। सिहावल सागर, माझी डोंगरी वॉच टॉवर और जल्दा ग्रासलैंड भी यहां के प्रमुख आकर्षण हैं। पर्यटकों के ठहरने के लिए केंवची गेट के पास पर्यटन विभाग का सोनभद्र रिसोर्ट तथा निजी रिसोर्ट उपलब्ध हैं। दोनों टाइगर रिजर्व में सफारी सेवाओं के विस्तार से पर्यटन गतिविधियों के साथ स्थानीय स्तर पर होटल, होम-स्टे, परिवहन, गाइड सेवा, खानपान और हस्तशिल्प से जुड़े रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इससे वन संरक्षण के साथ स्थानीय समुदायों की आजीविका को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

राज्यपाल ने देखा वायुसेना का शौर्य, नवा रायपुर के आसमान में सारंग के 5 हेलीकॉप्टरों ने दिखाए रोमांचक करतब

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर नवा रायपुर के सेंध लेक में भारतीय वायुसेना का भव्य एयर-शो आयोजित हुआ। इसमें विश्व प्रसिद्ध सारंग एयरोबेटिक टीम, आकाशगंगा स्काईडाइवर्स और गरुड़ कमांडोज ने अपने शौर्य, साहस और कौशल से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस ऐतिहासिक शो के साक्षी बने राज्यपाल रमेन डेका।



आकाशगंगा ने 8000 फीट से लगाई छलांग

एयर-शो की शुरूआत आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम ने की। जांबाजों ने 8000 फीट की ऊंचाई से छलांग लगाकर पैराशूट को सटीक नियंत्रित करते हुए सेंध लेक के सामने लैंडिंग की। इसके बाद गरुड़ कमांडोज ने एमआई-17 हेलीकॉप्टर से स्लिदरिंग, रेस्क्यू और कॉम्बैट ऑपरेशन का दमदार प्रदर्शन किया। हवा में स्थिर हेलीकॉप्टर से रस्सी के सहारे उतरते कमांडोज को देख पूरा मैदान तालियों से गूंज उठा।

सारंग के क्रॉसओवर ने थाम दी सांसें

शो का मुख्य आकर्षण ग्रुप कैप्टन अभिजीत कुमार के नेतृत्व में सारंग के 5 हेलीकॉप्टरों की फॉर्मेशन रही। पांच हेलीकॉप्टर कभी एक-दूसरे के बेहद करीब आए, तो कभी अलग-अलग दिशाओं में जाकर फिर एक साथ आ गए। सबसे रोमांचक रहा ह्यक्रॉस ओवरह्ण करतब, जिसमें तेज गति से हेलीकॉप्टर एक-दूसरे को क्रॉस करते हुए निकले। इसी दौरान कॉकपिट से गूंजा 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' जिसे सुनकर दर्शकों का उत्साह दोगुना हो गया।

तिरंगे और वंदे मातरम से समापन

अंत में वंदे मातरम की गूंज के बीच सारंग टीम ने तिरंगे की मनमोहक फॉर्मेशन बनाई, जिससे पूरा आसमान देशभक्ति के रंग में रंग गया। राज्यपाल डेका ने कहा - ₹सारंग का अर्थ मोर है, जो भारत की पहचान है। वैसे ही यह टीम वायुसेना की गरिमा का प्रतीक है। यह प्रदर्शन सिर्फ करतब नहीं, अनुशासन, समर्पण और टीम भावना का संदेश है जो युवाओं को प्रेरित करेगा।₹ गौरतलब है कि सारंग दुनिया की इकलौती 5 हेलीकॉप्टर वाली एयरोबेटिक टीम है, जो जर्मनी, यूके, रूस, मिस्त्र समेत 1500 से ज्यादा शो कर चुकी है। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, सांसद, विधायक और बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने निभाया वादा, सुकमा-मलकानगिरी मार्ग के 12 किमी कायाकल्प के लिए 7.61 करोड़ स्वीकृत



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सुकमा। बस्तर के वनांचल में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपना वादा निभाया है। पिछले माह सुकमा प्रवास के दौरान की गई घोषणा पर अमल करते हुए लोक निर्माण विभाग ने सुकमा से मलकानगिरी मार्ग के 12.05 किलोमीटर हिस्से के मजबूतीकरण और नवनिर्माण के लिए 7 करोड़ 61 लाख 27 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी है।

ग्रामीणों की जीवनरेखा है यह सड़क

यह सड़क केवल डामर-गिट्टी का ढांचा नहीं, बल्कि सीमावर्ती गांवों के किसानों, स्कूली बच्चों और मरीजों की जीवनरेखा है। जलभराव, कीचड़ और उखड़ी सड़क के कारण आपातकाल में मरीजों को अस्पताल ले जाने और ओडिशा की सीमा पर स्थित मलकानगिरी तक व्यापार के लिए आने-जाने में भारी दिक्कत होती थी। अब पक्की सड़क की खबर से सीमावर्ती गांवों में हर्ष का माहौल है। प्रशासन ने इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। सभी वित्तीय औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। सरकार का दावा है कि काम को तय समय और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा कराया जाएगा, ताकि साल भर निर्बाध आवागमन हो सके।

वैश्विक ऊर्जा समिट में छत्तीसगढ़ के पवेलियन का अवलोकन करेंगे मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी समिट एंड एक्सपो 2026 में छत्तीसगढ़ अपनी ऊर्जा क्षेत्र की उपलब्धियों और निवेश संभावनाओं के साथ भागीदारी कर रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कुछ ही देर में भारत मंडपम पहुंचकर छत्तीसगढ़ पवेलियन का अवलोकन करेंगे। पवेलियन में राज्य की ऊर्जा क्षमता, ग्रीन एनर्जी परियोजनाओं, भावी योजनाओं और निवेश के अवसरों को प्रदर्शित किया गया है। मुख्यमंत्री समिट में शामिल होने



आए देश-विदेश के निवेशकों और उद्योग प्रतिनिधियों से भी संवाद करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के बाद आयोजित मुख्यमंत्रियों एवं केंद्रीय मंत्रियों की राउंड टेबल चर्चा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ का ऊर्जा विजन, राज्य में ऊर्जा क्षेत्र के विकास की संभावनाएं और निवेश के अवसर प्रस्तुत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटित इस वैश्विक समिट में 130 से अधिक देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। 2 से 5 नवंबर तक आयोजित इस आयोजन में विभिन्न राज्यों ने अपने पवेलियन और प्रदर्शनियां स्थापित की हैं। इनके माध्यम से राज्य अपनी ऊर्जा क्षेत्र की उपलब्धियों, परियोजनाओं और भविष्य की योजनाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री भी विभिन्न राज्यों के पवेलियनों का अवलोकन करेंगे। छत्तीसगढ़ इस समिट के माध्यम से देश-विदेश के निवेशकों के समक्ष राज्य की ऊर्जा क्षमता, ग्रीन एनर्जी के लक्ष्य और ऊर्जा क्षेत्र में निवेश की व्यापक संभावनाओं को सामने रख रहा है।

62500 अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादलों पर छह महीने की रोक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जनगणना 2027 की तैयारियों को देखते हुए राज्य सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने जनगणना कार्य में लगे करीब 62 हजार 500 अधिकारियों और कर्मचारियों के स्थानांतरण पर अगले छह महीने तक रोक लगा दी है। इस संबंध में विभाग ने आधिकारिक आदेश जारी किया है। आदेश का उद्देश्य जनगणना कार्य को बिना किसी बाधा के समय पर पूरा कराना है। सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव



मनोज कुमार जयसवार की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जनगणना कार्य में संलग्न किसी भी अधिकारी या कर्मचारी का अगले छह महीने तक अथवा जनगणना कार्य समाप्त होने तक तबादला नहीं किया जाएगा। इससे जनगणना ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों की मौजूदा जिम्मेदारियां और तैनाती बरकरार रहेंगी।

33 जिलों और 19,978 गांवों में जनगणना की तैयारी

छत्तीसगढ़ में जनगणना 2027 के प्रथम चरण यानी मकान सूचीकरण के लिए व्यापक प्रशासनिक व्यवस्था तैयार की गई है। इसके तहत प्रदेश के सभी 33 जिलों, 195 नगरीय निकायों, 252 तहसीलों और 19 हजार 978 गांवों को शामिल किया गया है। कार्य के संचालन के लिए 251 ग्रामीण और 221 नगरीय चार्ज बनाए गए हैं।

राज्योत्सव में बिखरी भारतीय हथकरघा परंपरा की इंद्रधनुषी छटा, माहेश्वरी-चंदेरी-मधुबनी बनी लोगों की पसंद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। नवा रायपुर के राज्योत्सव मैदान में चल रहे राज्योत्सव 2026 में भारतीय हथकरघा की बहुमूल्य धरोहर अपनी पूरी मोहकता और वैभव के साथ अभिव्यक्त हो रही है। कारीगरों ने अपने हुनर से ऐसे खूबसूरत वस्त्र बुने हैं कि उनका उम्दा रंग संयोजन और गुणवत्ता देखकर हर कोई कायल हो रहा है। राज्योत्सव परिसर में लगा वस्त्रों का स्टॉल जनमानस के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यहां देश के विभिन्न राज्यों मध्यप्रदेश, असम, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश से आए बुनकरों को शासन ने अपने हुनर दिखाने का बेहतरीन मंच दिया है।

क्या है खास?

स्टॉल में देश की सबसे लोकप्रिय साड़ियों का विशाल संग्रह उपलब्ध है। मध्यप्रदेश की शान माहेश्वरी, चंदेरी

साड़ियां, बंगाल और असम का जादू मूगा सिल्क, मूगा कॉटन, काथा वर्क, मसलिन प्योर कॉटन, लिनन कॉटन, जामदानी, बिहार की कला मधुबनी प्रिंट, केला रेशम, बैम्बू सिल्क, भागलपुरी सिल्क, कोसा सिल्क एवं अन्य बनारसी, पोचमपल्ली, बटिक सिल्क, वर्ली प्रिंट। यहां साड़ियों के साथ-साथ दुपट्टे, स्कार्फ, फैब्रिक्स भी किफायती दामों पर मिल रहे हैं।

कारीगरों ने क्या कहा?

खंडवा, मध्यप्रदेश से आए तेज बहादुर सिंह ने बताया - ₹मैं हर साल राज्योत्सव आता हूं। छत्तीसगढ़ आकर बहुत अच्छा लगता है। यहां हमारे उत्पादों को बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिलता है। शासन हमें प्रोत्साहित कर रही है, हाल ही में मार्बल प्रिंट के लिए पांडिचेरी और मधुबनी के लिए नेपाल तक प्रशिक्षण के लिए भेजा गया।₹ उनके स्टॉल में डोली-शहनाई से सजी मिथिला आर्ट की साड़ियां लोगों को खूब भा रही हैं। पश्चिम बंगाल वर्धमान से आए हसीबुल ने कहा कि काथा वर्क और असम सिल्क की बिक्री अच्छी हो रही है। बिहार से आए मिथलेश कुमार और कोलकाता के शादिर अंसारी ने भी बताया कि छत्तीसगढ़ के लोगों में हैंडलूम के प्रति जबरदस्त प्यार है। राज्योत्सव न केवल सांस्कृतिक वैभव का प्रतीक है, बल्कि बुनकरों के लिए यह आजीविका और कुटीर उद्योग को बाजार उपलब्ध कराने का एक बड़ा अवसर भी है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से ओड़गी को बड़ी सौगात, 1.65 करोड़ से बनेगा खालबहारा से पंचायत भवन तक 1.5 किमी सड़क-पुल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ओड़गी विकासखंड के ग्राम पंचायत खालबहारा में सड़क संपर्क को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से खालबहारा मेन रोड से पंचायत भवन तक 1.50 किलोमीटर लंबे मार्ग का पुल-पुलियों सहित निर्माण स्वीकृत हुआ है। लोक निर्माण विभाग ने इस कार्य के लिए 1 करोड़ 65 लाख 85 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इस मार्ग के निर्माण से ग्रामवासियों को पंचायत भवन तक पहुंचने में सुविधा होगी। पंचायत भवन ग्रामीणों के लिए स्थानीय स्तर पर विभिन्न कामों और बैठकों का प्रमुख केंद्र होता है। सड़क बनने से वहां तक आवागमन सुगम



होगा और क्षेत्र के लोगों को दैनिक जरूरतों के लिए आने-जाने में सहूलियत मिलेगी। मार्ग में पुल-पुलियों का निर्माण भी प्रस्तावित है, जिससे सड़क संपर्क को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। राज्य शासन ने यह स्वीकृति वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल कार्य के अंतर्गत प्रदान की है। स्वीकृति आदेश के अनुसार निर्माण कार्य प्रारंभ करने से पहले तकनीकी स्वीकृति और निविदा सहित निर्धारित प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। साथ ही, कार्य शासकीय भूमि पर और उपलब्ध बजट की सीमा के भीतर कराया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क का विस्तार स्थानीय आवागमन और सार्वजनिक सुविधाओं तक पहुंच को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाता है। खालबहारा में स्वीकृत यह निर्माण कार्य इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। निर्माण पूरा होने पर ग्रामवासियों को पंचायत भवन तक पहुंचने के लिए बेहतर मार्ग उपलब्ध होगा।

कॉलेज में हुई युवा संवाद, लोकतंत्र में भागीदारी पर चर्चा



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शासकीय नवीन महाविद्यालय ओड़गी में 'लोकतंत्र के लिए युवा' विषय पर एक दिवसीय युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था, संवैधानिक अधिकारों और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में प्राचार्य रंजीत कुमार सातपुते सहित प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए। संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी, जिम्मेदार मतदान और नागरिक कर्तव्यों पर अपने विचार रखे।

वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदान के साथ सामाजिक विकास में जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाना भी जरूरी है। इस दौरान विद्यार्थियों से पूछा गया कि एक नेता के चयन में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। छात्रों ने ईमानदारी, बेदाग चरित्र, दूरदर्शिता, योग्यता, जनता के प्रति जवाबदेही, निष्पक्षता और सही निर्णय लेने की क्षमता को जरूरी बताया। कार्यक्रम में प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया। तकनीकी प्रबंधन डॉ. राहुल साव ने किया। पीपीटी प्रस्तुतीकरण डॉ. सुजीत कुमार भौमिक ने किया।

वहीं बैठक व्यवस्था में डॉ. अनिल कुमार, अनुराधा तिर्की, समीर सिंह एवं डॉ. उमेश कुमार साकेत का विशेष योगदान रहा।

राज्योत्सव में शासन के विकास और उपलब्धियों से सजा 22 विभागों का स्टॉल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राज्य के 26 वाँ स्थापना दिवस पर सशक्त नारी, युवा उड़ान की थीम पर अग्रसेन ग्राउंड में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों, उपलब्धियों एवं नवाचारों पर आधारित विभागीय प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। राज्योत्सव में जिले के 22 विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों के माध्यम से शासन की विभिन्न योजनाओं एवं विभागीय उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर आम नागरिकों ने विभागीय प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शित योजनाओं, उपलब्धियों एवं नवाचारों की जानकारी ली।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्रामीण विकास, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं महिला सशक्तीकरण पर आधारित मॉडल और उत्पाद प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में विकसित भारत ग्राम योजना के तहत वर्षा जल संचयन का जीवंत मॉडल, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत पक्के आवास का मॉडल तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत ओडीएफ प्लस गांव एवं अपशिष्ट प्रबंधन की झलक प्रस्तुत की गई। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित रागी आटा, मक्का आटा, दाल, बेसन, मूंगफली सहित पारंपरिक खाद्य उत्पादों एवं हस्तनिर्मित चूड़ियों का प्रदर्शन किया गया। उद्यानिकी विभाग द्वारा उद्यानिकी उत्पादों से महिला सशक्तिकरण, युवा आकांक्षाओं एवं प्रगति की उड़ान के प्रतीक के रूप में एयरोप्लेन का आकर्षक मॉडल तैयार किया है। साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य के 26 वें स्थापना दिवस एवं विकास की गौरवशाली यात्रा को प्रज्वलित एवं मुस्कुराते दीपक के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पोषण वाटिका ,पोषण आहार की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें पोषण आहार के महत्व को विस्तारपूर्वक बताया। प्रदर्शनी में बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं के लिए आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर आहार की जानकारी दी गई। विभागीय स्टॉल में बाल विवाह जैसे सामाजिक अपराध के दुष्परिणामों पर भी प्रकाश डाला गया।

शिक्षा विभाग एवं समग्र शिक्षा के स्टॉल में नारी सशक्तिकरण एवं युवा उड़ान के थीम पर आधारित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का मॉडल प्रदर्शित किया गया है। जिले के 1163 प्राथमिक विद्यालयों के लगभग 49 हजार विद्यार्थियों को शब्दबीज नवाचार के तहत प्रतिदिन 10 मिनट में एक नया द्विभाषीय हिन्दी-अंग्रेजी शब्द उच्चारण सुनने, बोलने, पढ़ने एवं लिखने के कौशल के साथ शब्द भंडार का विकास हो रहा है, जिससे गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा को बढ़ावा मिल रहा है।आदिवासी विभाग में समाज की समृद्ध परंपरा को प्रदर्शित करने वाला संस्कृति पारंपरिक वाद्य यंत्र, सहित अन्य उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। देवगुड़ी जनजातीय व्यंजन, एवं वाद्य यंत्रों में झेला मंजीरा जैसे यंत्रों की प्रदर्शनी ने दर्शकों को छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ दिया।जिला कौशल विकास विभाग द्वारा जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना , आवेदन की प्रक्रिया, आदि के बारे में जानकारी दी गई।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के मॉडल प्रदर्शित किया गया है, जिनके माध्यम से आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और आधुनिक सुविधाओं की जानकारी दी गई। स्टॉल में उपस्थित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा नि:शुल्क जांच एवं नि:शुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया।

कृषि एवं उद्यानिकी विभागीय योजनाओं का प्रदर्शन के साथ ही दलहन, तिलहन, धान बीज एवं विभिन्न उद्यानिकी फसलों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी में किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, मशीन, फसल विविधीकरण की जानकारी दी गई। मछली विभाग द्वारा केंद्र पोषित योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, पशुधन विभाग में गोधाम योजना, दवाइयां, वन विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं, विविध औषधि जड़ी बूटी का प्रदर्शन किया गया।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में विधिक जागरूकता, सुरक्षित बचपन अभियान, स्पेशल लोक अदालत,नालसा द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई है। जल संसाधन विभाग द्वारा जल शक्ति अभियान अंतर्गत कनकपुर जलाशय योजना की प्रदर्शनी, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड भटगांव , विश्रामपुर द्वारा कोल माइनिंग, श्रम विभाग द्वारा मिनीमाता महतारी जतन योजना, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना सहित विभिन्न योजनाओं को प्रदर्शित किया गया है। पुलिस विभाग के स्टॉल में यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा तथा साइबर सुरक्षा जागरूकता के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। स्टॉल में प्रदर्शित पोस्टर के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों का पालन करने हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, नशे में वाहन न चलाने जैसे संदेश दिया गया। साथ ही साइबर अपराधों से बचाव के लिए सुरक्षित पासवर्ड का उपयोग अज्ञात लिंक पर क्लिक न करने और व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने जैसी उपयोगी सलाह भी दी गई। बिजली विभाग द्वारा पीएम सूर्य घर की प्रक्रिया को दर्शाने वाला उपकेंद्र का मॉडल प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही सभी स्टालों में विभागीय योजनाओं की उपलब्धि, नवाचारों को भी प्रदर्शित की गई है।

जनसंपर्क ने किया योजनाओं पर आधारित पत्रिका जनमन का वितरण

जनसंपर्क विभाग द्वारा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतिगत पहलों एवं विकासोन्मुख कार्यक्रमों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रदर्शनी में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं सहित विभिन्न उपलब्धियां प्रदर्शित की गई। जनसंपर्क विभाग द्वारा शासन की योजनाओं एवं उपलब्धियों पर आधारित जनमन पत्रिका का भी वितरण किया गया।

कल्याणपुर पोडिपा श्रीमती बुद्धेश्वरी सिंह ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया है। श्रीमती तारामनी ने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध होना नागरिकों के लिए अत्यंत उपयोगी है।



नागरिकों ने किया विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान परिक्षेत्र महूली के रेस्ट हाउस में कथित डांस का वीडियो वायरल, जांच और कार्रवाई की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर प्रदेशभर में राज्योत्सव की धूम के बीच सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र स्थित गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान पार्क परिक्षेत्र महूली के रेस्ट हाउस से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद सरकारी परिसर में अनुशासन और विभागीय व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो कथित तौर पर 1 नवंबर को शाम करीब 5 बजे का बताया जा रहा है। वीडियो में चौकीदार रामविशाले देवांगन, शत्रुघ्न सिंह और मनमोहन जैसे कर्मचारी रेस्ट हाउस परिसर में संगीत की धुन पर डांस करते दिखाई दे रहे हैं। वहीं, एक अन्य व्यक्ति वीडियो बनाता नजर आ रहा है।

बताया जा रहा है कि चौकीदार भारत देवांगन द्वारा वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया गया, जिसके बाद यह तेजी से प्रसारित होने लगा। एक ओर प्रदेशभर में स्थापना दिवस पर सरकारी संस्थानों में उत्सव मनाया जा रहा था, वहीं दूसरी ओर उद्यान परिक्षेत्र महूली के रेस्ट हाउस से जुड़ा यह वीडियो चर्चा का विषय बन गया है।



वीडियो में कर्मचारियों की गतिविधियों को लेकर स्थानीय लोगों ने सवाल उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि सरकारी परिसर में ड्यूटी के दौरान नियमों का उल्लंघन हुआ है, तो संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

वायरल वीडियो को लेकर अब उद्यान के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर नजरें टिकी हुई हैं। मामले में वीडियो की सत्यता, समय और परिस्थितियों की जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इस संबंध में अधिकारियों का पक्ष सामने आना बाकी है। स्थानीय लोगों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

धान की धरती छत्तीसगढ़ में चावल हुआ महंगा, रसोई से रेस्टोरेंट तक बिगड़ा बजट

बिलासपुर, (एजेंसी)। बिलासपुर में चावल की महंगाई ने आम आदमी की थाली का हिसाब बिगाड़ दिया है। महीनेभर में कई किस्मों के भाव 15 से 20 रुपये किलो तक चढ़ने की जानकारी है। सामान्य उसना और खंडा चावल, जो पहले 35 रुपये किलो मिलते थे, अब 50 रुपये तक पहुंच गए हैं। दिलचस्प यह कि खुले बाजार में कीमतें चढ़ रही हैं, लेकिन कई ब्रांडेड कंपनियों के पैकबंद चावल के दाम फिलहाल स्थिर हैं।

चावल की कीमतों में तेजी के पीछे स्थानीय आपूर्ति से लेकर अंतरराष्ट्रीय कारोबार तक कई कारण सामने आ रहे हैं। पश्चिम एशिया में भारतीय चावल की मांग, निर्यात बाजार में बढ़ते भाव और दक्षिण भारत में कम बारिश से धान उत्पादन प्रभावित होने की आशंका ने बाजार पर दबाव बढ़ाया है। कर्नाटक में सूखे के कारण धान की बुआई का रकबा चार लाख हेक्टेयर से अधिक घटने की रिपोर्ट है। इससे वहां सोना मसूरी और कोलम जैसी किस्में भी महंगी हुई हैं।

इधर, छत्तीसगढ़ में पिछले खरीफ सीजन का धान समाप्त होने और नई फसल की आवक के इंतजार से बाजार की चिंता बढ़ी है। राज्य सरकार ने 15 नवंबर से 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर धान खरीदी शुरू करने का फैसला किया है। हालांकि, सरकारी समर्थन मूल्य और खुले बाजार में चावल के खुदरा भाव का सीधा संबंध नहीं है।

मिलिंग, परिवहन, गुणवत्ता और स्टाक की उपलब्धता भी कीमत तय करते हैं। बिलासपुर में बढ़ती लागत का असर होटल और रेस्टोरेंट कारोबार पर भी पड़ रहा है। संचालकों के सामने थाली की कीमत बढ़ाने या चावल की गुणवत्ता और किस्म बदलने का विकल्प है। दूसरी ओर, सरकारी राशन के चावल की निर्धारित दरें फिलहाल स्थिर हैं।

चावल की कीमत बढ़ने से होटल संचालकों के सामने लागत और गुणवत्ता का संतुलन बनाने की चुनौती है। कम कीमत वाली थाली में महंगा चावल इस्तेमाल करने से मुनाफा घटता है। दूसरी ओर, चावल की किस्म बदलने पर ग्राहक स्वाद और गुणवत्ता को लेकर सवाल उठा सकते हैं। चावल की खपत अधिक होने से छोटी वृद्धि भी महीने के खर्च में बड़ा अंतर पैदा करती है।

नीरज ट्रेडर्स व्यापार विहार के संचालक नीरज नागदेव कहते हैं कि थोक बाजार में खरीद महंगी होने का असर चिल्हर दुकानों तक पहुंचता है। हालांकि, सभी दुकानदारों के पास एक ही समय पर खरीदा गया स्टाक नहीं होता। इसलिए एक ही किस्म का भाव अलग-अलग दुकानों पर अलग मिल सकता है। पुराने स्टाक और नई खरीद के बिलों की तुलना से वास्तविक मूल्य वृद्धि समझी जा सकती है।

चावल की कीमतों में तेजी के बीच खाद्य विभाग और जिला प्रशासन की चूक स्पष्ट है। बाजार का उचित मूल्यांकन और स्थति को भांपने में नाकाम नजर हैं। तत्काल बाजार में स्टाक और बिक्री दरों की निगरानी करनी चाहिए। थोक विक्रेताओं के भंडार, खरीदी के बिल और चिल्हर कीमतों की जांच से यह पता लगाया जा सकता है कि वृद्धि की वजह वास्तविक लागत है या कहीं कृत्रिम कमी पैदा की जा रही है। नियमानुसार कार्रवाई जरूरी है।

बाजार में चावल की उपलब्धता और स्टाक की नियमित समीक्षा होनी चाहिए। दुकानदार किस्मवार भाव प्रदर्शित करें और ग्राहकों को पक्का बिल दें। खाद्य विभाग थोक और चिल्हर भाव की तुलना करे। जमाखोरी की शिकायतों की जांच की जाए। ग्राहक भी अलग-अलग दुकानों के भाव की तुलना कर सकते हैं। इससे वास्तविक कमी और अनावश्यक मूल्य वृद्धि के बीच अंतर स्पष्ट करने में मदद मिलेगी।

अशोक राइर्स मिलर्स अशोक जायसवाल का कहना है कि राइस मिलों में पुराने धान का स्टाक लगभग समाप्त होने से चावल का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। त्योहारी सीजन में मांग बढ़ने के बावजूद बाजार में पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो पा रही है। उपलब्धता और मांग के बीच बढ़ते अंतर का असर कीमतों पर भी पड़ रहा है।

सुरेंद्र होटल इंटरसिटी के संचालक सुरेंद्र छाबड़ा का कहना है कि चावल की कीमतों में अचानक आई तेजी ने होटल और रेस्टोरेंट का बजट बिगाड़ दिया है। रोजाना बड़ी मात्रा में चावल की खपत होती है, ऐसे में प्रति किलो 20 रुपये की बढ़ोतरी बड़ा झटका है। अब चिंता यह है कि चावल की गुणवत्ता से समझौता किए बिना बढ़ती लागत को कैसे संभालें। गीतागृहणी गीता मौर्य कहती हैं कि चावल का दाम बढ़ने के पीछे कहीं कालाबाजारी तो नहीं। क्योंकि कोविड के बाद से आए दिन ऐसी स्थितियां बन रही है। खाद्यान को लेकर लोग ऐसा कर मुनाफा कमाते हैं। सरकार को इन पर तत्काल लगाम लगाना चाहिए। क्योंकि छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है और कटोरे में चावल महंगा नहीं होना चाहिए।

ग्रामीण विकास योजनाओं और पारिवारिक उपभोग व्यय की जमीनी हकीकत जानने गांवों में पहुंचे पूर्व सचिव अमरजीत सिन्हा

धमतरी, छ.ग. फ्रंटलाइन। ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, ग्रामीण परिवारों की आजीविका, आर्थिक गतिविधियों तथा पारिवारिक उपभोग व्यय की वास्तविक स्थिति को समझने के उद्देश्य से भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के पूर्व सचिव अमरजीत सिन्हा ने धमतरी जिले के मगरलोड एवं कुरुद विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम केकराखोली और ग्राम पंचायत चर्रा में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं, पंचायत राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों, प्रगतिशील कृषकों, किसानों तथा किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी) के सदस्यों से सीधा संवाद कर ग्रामीण जीवन, आय के स्रोतों और स्थानीय विकास की स्थिति की जानकारी प्राप्त की।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जयंत नाहटा ने पूर्व सचिव अमरजीत सिन्हा को जिले में ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन, स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण, कृषि एवं आजीविका संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा किसान उत्पादक कंपनियों की गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने जिले में ग्रामीण परिवारों की आय के स्रोतों, आजीविका के अवसरों और विभिन्न शासकीय योजनाओं से मिल रहे लाभों की जानकारी भी दी।

यह भ्रमण भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा संचालित पारिवारिक उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) के अंतर्गत तकनीकी विशेषज्ञ समूह के क्षेत्रीय दौरे का हिस्सा था। सर्वेक्षण के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी परिवारों द्वारा खाद्य पदार्थों, गैर-खाद्य वस्तुओं तथा विभिन्न सेवाओं पर किए जाने वाले व्यय से संबंधित विश्वसनीय आंकड़े संकलित किए जाते हैं। ये आंकड़े देश में उपभोग के स्वरूप, जीवन-स्तर और आर्थिक परिस्थितियों के आकलन के साथ विकास योजनाओं के निर्माण एवं नीतिगत निर्णयों के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं।

मगरलोड विकासखंड के ग्राम केकराखोली में श्री सिन्हा ने स्व-सहायता समूहों की महिलाओं, पंचायत प्रतिनिधियों, प्रगतिशील कृषकों और एफपीसी सदस्यों के साथ चर्चा की। उन्होंने ग्रामीण आजीविका के साधनों, कृषि आधारित आर्थिक गतिविधियों, महिला समूहों की भूमिका तथा किसान उत्पादक कंपनियों के माध्यम से किसानों को मिलने वाले अवसरों के संबंध में जानकारी ली। संवाद के दौरान यह समझने पर जोर दिया गया कि ग्रामीण परिवारों की आय के प्रमुख स्रोत क्या हैं, कृषि एवं अन्य गतिविधियां उनकी आर्थिक स्थिति को किस प्रकार प्रभावित करती हैं तथा उनकी दैनिक आवश्यकताओं और उपभोग संबंधी प्राथमिकताओं में किस प्रकार बदलाव आ रहे हैं।

कुरुद विकासखंड के ग्राम पंचायत चर्रा में भी श्री सिन्हा ने स्व-सहायता समूहों की महिलाओं, किसानों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से चर्चा की। उन्होंने ग्रामीण परिवारों की आवश्यकताओं, आजीविका के साधनों, कृषि गतिविधियों और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध आर्थिक अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से ग्रामीणों के अनुभवों और उनकी वास्तविक परिस्थितियों को समझने का प्रयास किया गया। इस दौरान ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी, सामुदायिक संस्थाओं की भूमिका तथा कृषि एवं गैर-कृषि गतिविधियों से परिवारों को मिलने वाली आय जैसे विषय भी महत्वपूर्ण रहे।

महुली मंडल खण्ड बिहारपुर में हुआ आरएसएस का विजयादशमी उत्सव एवं पथ संचलन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा महुली मंडल खण्ड बिहारपुर में विजयादशमी उत्सव एवं पथ संचलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महुली मंडल के अंतर्गत आने वाले 9 ग्रामों से कुल 36 स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उमझर के पूर्व सरपंच अमर सिंह उपस्थित रहे। वहीं मुख्य वक्ता के रूप में बाबूलाल मरापो तथा मंडल प्रमुख मदन जायसवाल की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ संघ की परंपरा एवं रीति-नीति के अनुसार किया गया। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने अनुशासन, एकता एवं संगठनात्मक भावना का परिचय देते हुए पथ संचलन में भाग लिया। स्वयंसेवकों का अनुशासित कदमताल और सामूहिक सहभागिता समाज में संगठन, समरसता एवं राष्ट्रभावना का संदेश दे रही थी।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता बाबूलाल मरापो ने अपने उद्बोधन में विजयादशमी पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज को संगठित और जागरूक रहने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि एक सशक्त एवं संगठित समाज ही राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आपसी भेदभाव भुलाकर सामाजिक एकता, भाईचारे और समरसता के भाव से कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में इस बात पर विशेष चर्चा की गई कि वर्तमान समय में समाज को एकजुट रखना, आपसी सहयोग की भावना विकसित करना और सामाजिक समरसता को मजबूत बनाना अत्यंत आवश्यक है। ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा, अनुशासन, राष्ट्रप्रेम एवं सामूहिक जिम्मेदारी की भावना जागृत करते हैं। महुली मंडल के सभी स्वयंसेवकों ने उत्साह, अनुशासन एवं समर्पण के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राज्य अलंकरण एवं राज्योत्सव

समापन समारोह 2026



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

मुख्य अतिथि
श्री अमित शाह
माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार

अध्यक्षता
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

विशिष्ट अतिथि
श्री अरुण साव
माननीय उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा
माननीय उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

एवं

समस्त माननीय मंत्री, सांसद, विधायक, निगम, मंडल, आयोग, जिला पंचायत के माननीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण, माननीय महापौर की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित है।

03 नवंबर 2026

सायं 6.00 बजे

राज्योत्सव मैदान, नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़

सुशासन समृद्धि समावेशी विकास

संवर रहा छत्तीसगढ़



पीएम आवास योजना
24.54 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को पक्की छत

रेलवे का विस्तार
₹54,000 करोड़ की रेल परियोजनाओं का क्रियान्वयन

डेस्टिनेशन छत्तीसगढ़
छत्तीसगढ़ में पर्यटन को उद्योग का दर्जा ट्राइबल हेरिटेज व ईको टूरिज्म को बढ़ावा

जनजातीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन
बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक, बस्तर पण्डुम का निरंतर आयोजन

महतारी वंदन योजना
68 लाख महिलाओं को ₹20,708 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित

कृषक कल्याणकारी योजनाओं से
₹1.5 लाख करोड़ से अधिक की राशि किसानों को अंतरित

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा
बस्तर-सरगुजा के 815 गाँवों तक सुलभ परिवहन सुविधा

शहीद वीर गुंडाधुर सेवा डेरा
75 सुरक्षा कैंप बन रहे सेवा के केंद्र

CM हेल्पलाइन 1076

सीएम हेल्पलाइन 1076
हर शिकायत की सुनवाई
हर समस्या का समाधान

सेवा सेतु
जनता के द्वार, डिजिटल सरकार
38 विभागों की 953 सेवाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर

आर. ओ. नं. 49677/28

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दरीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा